दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 132
मुरादाबाद
(Wednesday)
03 September 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

बिहार में RJD-कांग्रेस के मंच से मेरी मां को गाली, देश की मां-बहन-बेटी का अपमान;विपक्ष पर बरसे पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बिहार में %जीविका निधि साख सहकारी संघ% का शुभारंभ किया और महिला स्वयं सहायता समूहों को 105 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। उन्होंने कहा कि यह पहल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगी और डिजिटल व्यवस्था के जरिए उन्हें आसान ऋण सहायता मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अपनी मां पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर विपक्ष पर हमला बोला और भावुक होकर अपनी पीड़ा जनता से साझा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड के उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री ने 105 करोड़ रुपए की राशि को जीविका निधि में ट्रांसफर किया।कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, आज प्रधानमंत्री मोदी जीविका निधि का शुभारंभ कर रहे हैं। इस कार्य से स्वयं सहायता समूह की जीविका दीदीयों को ऋण राशि प्राप्त करने में सुविधा होगी। राज्य सरकार ने इस कार्य के लिए 1 हजार करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।बिहार की माताओं-बहनों की मिलेगी नई सुविधा% वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज मंगलवार के दिन बहुत मंगल कार्य की शुरुआत हो रही है। बिहार की माताओं-बहनों को आज एक नई सुविधा मिलने जा रही है- जीविका निधि साख सरकारी संघ। इससे गांव-गांव में जीविका से जुड़ी बहनों को अब और आसानी से पैसा मिलेगा। उन्हें आर्थिक मदद मिलेगी। उन्होंने आगे कहा, मुझे ये देखकर खुशी हो रही है कि जीविका निधि की व्यवस्था पूरी तरह डिजिटल है। मैं बिहार की माताओं-बहनों को बहुत बधाई देता हूं और इस अद्भूत पहल के लिए मैं नीतीश कुमार और बिहार की एनडीए सरकार का भी अभिनंदन करता हूं। सशक्त महिलाएं विकसित भारत का आधार उन्होंने आगे कहा, विकसित भारत का बहुत बड़ा आधार है, भारत की सशक्त महिलाएं। महिलाओं को सशक्त करने के लिए बहुत जरूरी है कि उनकी जिंदगी से हर प्रकार की मुश्किलें कम हों। इसलिए हम माताओं-बहनों-बेटियों की जिंदगी को आसान बनाने के लिए अनेक काम कर रहे हैं। हमने महिलाओं के लिए करोड़ों शौचालय बनवाए, ताकि उन्हें खुले में शौच की मजबूरी से मुक्ति मिले। हमने पीएम आवास योजना के अंतर्गत पक्के घर बनवाए और इसमें ये भी ध्यान रखा कि वो घर हो सके तो महिलाओं के नाम पर हो।

महिला जब घर की मालकिन होती है, तो उसकी आवाज का भी वजन बढ़ जाता है। मुफ्त राशन योजना चला रही सरकार% प्रधानमंत्री ने कहा, केंद्र सरकार आज मुफ्त राशन की योजना भी चला रही है। इस योजना ने हर मां को, इस चिंता से मुक्ति दिलाई है कि आज घर में बच्चों का पेट कैसे भरेगा। महिलाओं की आमदनी बढ़ाने के लिए हम उन्हें लखपति दीदी, ड्रोन दीदी और बैंक सखी भी बना रहे हैं। ये सारी योजनाएं माताओं-बहनों की सेवा का एक बहुत बड़ा महायज्ञ है। आज इस कार्यक्रम में मैं आपको ये भरोसा देता हूं कि आने वाले महीनों में बिहार की एनडीए सरकार इस अभियान को और तेज करने जा रही है। पूजा की परंपरा, मां के प्रति श्रद्धा बिहार की पहचान कुछ दिनों बाद नवरात्र का पावन पर्व शुरू होने वाला है। पूरे देश में नवदुर्गा की पूजा होगी, यानी मां के नौ रूपों की पूजा होगी। लेकिन, बिहार और पुरबिया इलाके में नवदुर्गा के साथ सतबहिनी पूजा की परंपरा भी पीढ़ियों से है। मां के रूप में सात बहनों की पूजा की परंपरा, मां के प्रति श्रद्धा और विश्वास, ये बिहार की पहचान है राजद-कांग्रेस के मंच से मेरी मां को गालियां दी गईं उन्होंने आगे कहा, हमारी सरकार के लिए मां की गरिमा, उसका सम्मान, उसका स्वाभिमान बहुत बड़ी प्राथमिकता है। मां ही तो हमारा संसार होती है, मां ही हमारा स्वाभिमान होती है। उन्होंने कहा, बिहार में कुछ दिनों पहले जो हुआ, उसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी। बिहार में राजद-कांग्रेस के मंच से मेरी मां को गालियां दी गईं। ये गालियां सिर्फ मेरी मां का अपमान नहीं है। ये देश की मां-बहन-बेटी का अपमान है। पीएम मोदी ने कहा, मुझे पता है कि आप सबको भी ये देखकर और सुनकर कितना बुरा लगा है। मैं जानता हूं कि इसकी जितनी पीड़ा मेरे दिल में है, उतनी ही तकलीफ मेरे बिहार के लोगों को भी है। इसलिए, आज जब इतनी बड़ी तादात में बिहार की लाखों माताओं-बहनों के दर्शन मैं कर रहा हूं, तो आज मेरा मन और मैं अपना दुख आपसे साझा कर रहा हूं। ताकि आप माताओं-बहनों के आशीर्वाद से मैं इसे झेल पाऊं। मैंने हर देश के लिए पूरी मेहनत से किया काम उन्होंने कहा, मैंने हर दिन, हर क्षण अपने देश के लिए पूरी मेहनत से काम किया है और इसमें मेरी मां की बहुत बड़ी भूमिका रही है। मुझे मां भारती की सेवा करनी थी... इसलिए मुझे जन्म देने वाली मेरी मां ने मुझे अपने दायित्वों से मुक्त कर दिया था। उस मां के ही आशीर्वाद से मैं चल पड़ा था। बात की पीड़ा है कि जिस मां ने मुझे देशसेवा का आशीर्वाद देकर भेजा, खुद से अलग करके मुझे जाने की इजाजत दी। मोदी ने कहा, आप सब जानते हैं कि अब मेरी मां का शरीर तो इस दुनिया में नहीं है। कुछ समय पहले 100 साल की उम्र पूरी करके, वो हम सबको छोड़कर चली गई। मेरी उस मां को जिसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है, जिसका शरीर भी अब नहीं है। मेरी उस मां को राजद-कांग्रेस के मंच से भद्दी-भद्दी गालियां दी गई। ये बहुत ही दुख, कष्ट और पीड़ा देने वाला है। उस मां का क्या गुनाह है कि उसे भद्दी गालियां सुना दी गई।

संक्षिप्त समाचार

PM मोदी के आपत्तिजनक कार्टून बनाने, धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप; इंदौर के कार्टूनिस्ट को अग्रिम जमानत

प्रधानमंत्री और संघ कार्यकर्ताओं के आपत्तिजनक कार्टून बनाने वाले कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय को सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बड़ी राहत देते हुए अग्रिम जमानत दे दी। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन वी अंजारिया की पीठ ने यह देखते हुए कि कार्टूनिस्ट ने सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों से माफी मांगी ली है, अग्रिम जमानत याचिका स्वीकार कर ली। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस को यह छूट दी कि अगर कार्टूनिस्ट जांच में सहयोग नहीं करते हैं, तो वे उनकी जमानत रद्द करने की मांग कर सकते हैं।याचिकाकर्ता के वकील ने दिया ये तर्क सुनवाई के दौरान, मालवीय की वकील वृंदा ग्रोवर ने अदालत को बताया कि उनके मुवक्किल ने माफी मांग ली है और याचिकाकर्ता को अभी तक जांच के दौरान पूछताछ के लिए तलब नहीं किया गया है। इस पर केंद्र सरकार की तरफ से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने जवाब दिया कि सभी सबूत इकट्ठा होने के बाद ही तलब किया जाएगा।निस्ट हेमंत मालवीय के खिलाफ वकील और आरएसएस कार्यकर्ता विनय जोशी ने मई में इंदौर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी और मालवीय पर अपने कार्टूनों के जरिए आपत्तिजनक सामग्री अपलोड करने और हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत करने और सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने का आरोप लगाया था।

अफगानिस्तान में भूकंप से मरने वालों का आंकड़ा 900 पहुंचा, 3000 घायल;बचाव अभियान जारी

अफगानिस्तान के पूर्वी पहाड़ी इलाके में रविवार रात आए 6.0 तीव्रता के भूकंप में मरने वालों का आंकड़ा 900 पहुंच गया है और करीब 3,000 लोग घायल हुए हैं। इस विनाशकारी भूकंप के कारण कई गांवों में घर पूरी तरह ढह गए थे और लोग घंटों तक मलबे में फंसे रहे। राहत और बचाव कार्य जारी है।अफगानिस्तान के पूर्वी इलाके में आए विनाशकारी भूकंप में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 900 हो गया है। मंगलवार को एक अधिकारी ने बताया कि इस हादसे में अब तक करीब 3,000 लोग घायल हुए हैं, और राहत टीमें मलबे के नीचे फंसे लोगों को निकालने में जुटी हैं।यह विनाशकारी भूकंप रविवार देर रात आया था और इसकी तीव्रता 6.0 मापी गई थी। यह भूकंप एक पहाड़ी क्षेत्र में आया था, जिससे कई गांवों में घर पूरी तरह ढह गए और लोग घंटों तक मलबे के नीचे दबे रहे। अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता यूसुफ हम्माद ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया, घायलों को निकाला जा रहा है, इसलिए यह आंकड़े अभी और भी बदल सकते हैं। उन्होंने बताया कि कुछ इलाकों में भूकंप के कारण भूस्खलन हुआ जिससे सड़कें बंद हो गई थीं। हालांकि अब कई सड़कों को फिर से खोल दिया गया है और बाकी रास्तों को भी जल्द खोलने की कोशिश की जा रही है, ताकि उन इलाकों तक पहुंचा जा सके जहां जाना अब भी मुश्किल है। भूकंप से कितने बिगड़े हैं हालात? अफगानिस्तान में 6.0 तीव्रता का भूकंप नंगरहार प्रांत के करीब कुनार प्रांत के शहरों और पड़ोसी नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर में आया, जिससे भारी नुकसान हुआ। इसके बाद भी इलाके में कई झटके आए। सोशल मीडिया और समाचार चैनलों पर प्रसारित वीडियो फुटेज में बचावकर्मी घायल लोगों को ढही हुई इमारतों से स्ट्रेचर पर उठाकर हेलीकॉप्टर्स में ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि कई लोग अपने हाथों से मलबा हटाने की कोशिश कर रहे हैं। ज्यादातर लोग कुनार प्रांत में हताहत हुए हैं। अफगानिस्तान में क्यों लगातार भूकंप आते हैं? अफगानिस्तान में लगातार भूकंपों के लिए इसकी भौगोलिक स्थिति सबसे ज्यादा जिम्मेदार है। दरअसल, अफगानिस्तान ठीक उस जगह पर स्थित हैं, जहां दो सक्रिय प्लेट्स- इंडियन प्लेट और यूरेशियन प्लेट मिलती हैं। यह दोनों प्लेट्स आपस में काफी टकराती हैं, जिससे क्षेत्र में भूकंप की स्थिति बनी रहती है।

पूर्व सीएम केसीआर की बेटी कविता पार्टी से निलंबित, बीआरएस ने दल विरोधी गतिविधियों का आरोप लगाया

तेलंगाना की सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी ने एमएलसी के. कविता को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निलंबित कर दिया है। कविता ने आरोप लगाया था कि उन्हें साजिश के टीबीजीकेएस से हटाया गया और पार्टी के अंदर ही कुछ नेता उन्हें हाशिये पर धकेलने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने एक लीक हुए पत्र को लेकर पार्टी नेतृत्व पर सवाल उठाए थे।तेलंगाना की पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने अपनी एमएलसी और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की बेटी के. कविता को पार्टी से निलंबित कर दिया है। बीआरएस ने कहा कि हाल के दिनों में कविता के व्यवहार और उनकी गतिविधियां पार्टी के हितों के खिलाफ रही हैं। उन पर %पार्टी विरोधी गतिविधियों% में शामिल होने और संगठन को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। बीआरएस ने कहा है कि पार्टी अध्यक्ष चंद्रशेखर राव ने एमएलसी कविता को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का फैसला लिया है।कविता को पार्टी से ऐसे समय में बर्खास्त किया गया है, जब बीआरएस पहले से ही अंदरूनी चुनौतियों का सामना कर रही है। बर्खास्तगी से एक दिन पहले कविता ने उस समय पार्टी के भीतर तूफान खड़ा कर दिया था, जब उन्होंने अपनी ही पार्टी के नेताओं पर केसीआर की छवि को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने वरिष्ठ नेता टी. हरीश राव और पूर्व सांसद मेघा कृष्णा रेड्डी पर उनके पिता पर %भ्रष्टाचार का ठप्पा% लगाने का आरोप लगाया और दावा किया कि हरीश राव और संतोष कुमार ने उन्हें हाशिये पर धकेलने की साजिश रची।22 अगस्त को कविता जब विदेश थीं, तब उन्हें अचानक तेलंगाना तेलंगाना बोग्गु घानी कर्मिका संघम (टीबीजीकेएस) की मानद अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था। उन्होंने इसे एक साजिश बताया था और कहा था कि यह कदम पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है। कविता ने आरोप लगाया था कि टीबीजीकेएस के लिए चुनाव उनकी बिना जानकारी के पार्टी दफ्तर में हुआ और यह श्रम कानूनों का उल्लंघन भी हो सकता है। उन्होंने कहा, मैंने केवल पार्टी के अंदरूनी कामकाज पर सवाल उठाया, इसी बात की मुझे सजा दी जा रही है। उन्होंने इसके लिए पार्टी के कुछ लोगों को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। %पापा आपको भाजपा के खिलाफ सख्त रुख अपनाना चाहिए% उन्होंने यह भी बताया कि बीआरएस की बैठक के बाद जो पत्र उन्होंने अपने पिता और पार्टी अध्यक्ष को लिखा था, उसका लीक होना उनके खिलाफ माहौल बनने की वजह बना। उस पत्र में कविता ने लिखा था, आप (केसीआर) ने केवल दो मिनट बोला और उसी से कुछ लोग यह अटकलबाजी करने लगे कि भविष्य में भाजपा से गठबंधन होगा। मुझे भी व्यक्तिगत रूप से लगा कि आपको भाजपा के खिलाफ और तीखा बोलना चाहिए था। शायद इसलिए क्योंकि मुझे भाजपा की वजह से ही कष्ट झेलना पड़ा। लेकिन पापा, आपको और सख्त रुख अपनाना चाहिए था।

आजाद मैदान में पुलिस और आरक्षण समर्थकों में बहस, प्रदर्शनकारियों को CSMT से हटाया गया

मराठा आरक्षण को लेकर आंदोलन कर रहे मनोज जरांगे और उनके समर्थकों को आज शाम तक सड़कों और आजाद मैदान को खाली करने का आदेश है। हालांकि हाईकोर्ट के आदेश पर मनोज जरांगे के तेवर कड़े हो गए हैं और उन्होंने कहा कि मांगें पूरी होने तक वे आजाद मैदान नहीं छोड़ेंगे। इससे तनाव बढ़ गया है।महाराष्ट्र में हाईकोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने इलाके को खाली कराने की कार्रवाई शुरू कर दी है। डीसीपी जोन-1 प्रवीण मुंडे ने कहा कि हम अदालत के निर्देशों के अनुसार काम कर रहे हैं और क्षेत्र खाली करवाया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई इस कार्रवाई में बाधा डालने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। पुलिस की तैनाती बढ़ाई गई है ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे।बॉम्बे हाईकोर्ट में हुई सुनवाई अब बुधवार तक के लिए टाल दी गई है। यह फैसला आंदोलन से जुड़ी पूर्व आदेशों के अनुपालन के आधार पर लिया गया। सुनवाई के दौरान एडवोकेट जनरल बीरेंद्र सराफ ने अदालत को बताया कि पुलिस ने सभी आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन किया है और आंदोलनकारियों द्वारा की गई उल्लंघनों की सूची भी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि जरांगे पाटिल और उनके समर्थकों को मुंबई छोड़ने का आश्वासन देना चाहिए ताकि कानून-व्यवस्था पर असर न पड़े, खासकर गणेशोत्सव के दौरान। हाईकोर्ट ने इस पर नाराजगी जताई और कहा कि सरकार को शुरुआत में ही अदालत को सूचित करना चाहिए था कि भीड़ 5,000 से अधिक है। अदालत ने चेतावनी दी कि आदेशों के उल्लंघन पर सरकार के खिलाफ भी कार्रवाई हो सकती है। वहीं, जरांगे पाटिल के वकील सतीश मानेशिंदे ने अदालत को बताया कि उनके मुवक्किल ने अपने समर्थकों से शांति बनाए रखने, यातायात बाधित न करने और भीड़ 5,000 से अधिक न होने की अपील की है। अदालत ने कहा कि वह उम्मीद करती है कि कल तक कुछ ठोस नतीजा सामने आएगा। हाईकोर्ट के उस आदेश के बाद उठाया गया है जिसमें आरक्षण आंदोलनकारी नेता मनोज जरांगे और उनके समर्थकों को दोपहर 3 बजे तक पास के आजाद मैदान को खाली करने का निर्देश दिया गया था।

संपादकीय Editorial

Effects of 50% tariff

From 9.31 am on 27 August, America's additional 25% tariff has also been imposed in India. Now a total of 50% tariff will have to be paid on Indian goods going to America. The highest tariff of 50% has been imposed on India and Brazil. As soon as the notification of the US Department of Home Affairs came out, the assessment and figures of the damage and impact also started becoming clear. A grand meeting was called under the chairmanship of Prime Minister Modi, in which options and ways to counter President Trump's tariffism were discussed. Earlier, an average of 3% import duty had to be paid on Indian products and services entering America. That tariff has now been increased to 50%, so the gap is very big. The government cannot give subsidy, loan or bail package to the entire affected areas. Still, arrangements like the Corona period will have to be made. The purchasing power of the common man should not decrease, demand in the market should remain intact, so that production can continue even in small and micro level industries. Of course, this is a challenging period for the Indian economy. It is not clear whether President Trump wants a strategic partnership with India or he wants to force India to bow down under pressure. A widely circulated German newspaper has reported that Trump called Prime Minister Modi four times, but the Prime Minister did not talk. We cannot confirm this news, but India is currently in a mood to talk eye to eye. The question is why 50 percent tariff has been imposed on India, while 30 percent tariff has been imposed on China, 20 percent on Vietnam, 15 percent each on European Union and Japan? Anyway, after the implementation of tariff, when the news of stoppage of production of textile industry in Noida, Surat, Tirupur came to light, the Indian Exporters Association requested the Modi government to help immediately. The initial assessment is that the tariff will have a bad effect on about 55 percent of exports. Due to decrease in exports, the dollar will also decrease, as a result the dollar-rupee equation will also be affected. Foreign investment will also decrease. In 2024-25, India and the US had a trade of over $131 billion. India exported goods worth about $87 billion. This export could fall to around $50 billion in the financial year 2025-26. This would be a very serious loss. Nearly two-thirds of exports, which are estimated at $60 billion, will come under the purview of 50 percent tariff. This will be like hammering labour-intensive industrial sectors - apparel, textiles, carpets, lobsters, gems and jewellery and furniture etc. Take the example of shirts only. After the imposition of 50 percent tariff, 62 percent tariff will be imposed on Indian shirts, 42 percent on Chinese shirts and 20 percent on Vietnamese shirts. Why would anyone buy an expensive shirt in the US market? It is possible that the prices of Indian shirts may have to be reduced out of compulsion! A total of 30 percent exports of pharma medicines, smartphones, petroleum products, semiconductors, electronics etc. have been kept 'tariff-free'. About 4 percent of exports (3.2 billion dollars) are mainly auto parts, which currently have a 25 percent tariff. If Trump's tariffism has a bad effect on industries, then obviously jobs will also be lost. As a result, the problem of employment will be somewhat serious. However, some industrial experts estimate that the loss of India's GDP, in the current financial year, could be only 0.8 percent. This is a small picture being presented, because exports are equal to 2 percent of GDP. Anyway, President Trump has definitely threatened to impose 200 percent tariff on China, but he will not be able to do so, because if China retaliates, the American economy will be in trouble. India's Prime Minister Modi should talk to President.

Mizoram showed the way, when will a law be made at the central level to free people from begging?

Begging is not a new problem in India. According to the 2011 census, there were about 4 lakh beggars in the country. However, the actual number is many times more than this. Begging has become a business in most big cities including Delhi, Mumbai, Kolkata. Producer-director Madhur Bhandarkar made a film named Traffic Signal in the year 2007. The film was based on the network of beggars. The film showed very well how begging is done in different ways at the traffic signal of a busy intersection in Mumbai. Actually, not only India, but many countries of the world are struggling with the problem of beggars. Today, beggars can be seen outside almost every intersection, crowded markets, temples or other places of worship in any city or metropolis. The irony is that there is no special law in the country regarding beggars, but now Mizoram has shown the way. Mizoram, a small state in the North East, has completely banned begging. The aim of the Mizoram Begging Prohibition Bill 2025 is not only to ban begging, but also to rehabilitate beggars and provide them with a permanent livelihood. Begging is not a new problem in India. According to the 2011 census, there were about 4 lakh beggars in the country. However, the actual number is many times more than this. Begging has become a business in most big cities including Delhi, Mumbai, Kolkata. Some reports even say that in big cities a beggar earns Rs 500 to 1500 per day. Begging has taken the form of an organized industry in many cities. There have also been reports that gangs controlling beggars divide areas among them. Children are kidnapped and forced to beg. There are contracts for begging everywhere, be it at traffic signals, railway stations or religious places. Apart from beggars, gangs of eunuchs can also be found extorting money at the intersections of metros. Their number is also increasing day by day. There is no central law in India regarding this problem. However, states have made their own acts to stop begging. The most prominent among these is the Bombay Prevention of Begging Act, 1959, on which many states have based their laws, under which begging in public places is considered a crime. The guilty can be fined or sentenced to jail. Many times the beggar is sent to a reformatory. The central and state governments are also running some schemes to connect beggars to the mainstream. For example, providing employment, self-employment and training to the urban poor under the Deendayal Antyodaya Yojana, keeping the homeless and beggars in reformatory, keeping begging children in children's homes, sending beggars from big cities to skill training centers. There are also reports that the government is preparing a database of beggars so that they can be linked to Aadhaar, Jan Dhan account and social security schemes. However, the courts of the country have a different opinion about begging. In the year 2018, the Delhi High Court, while giving its verdict, said that begging is not a crime, but it is the result of deep problems like poverty and unemployment. The court declared the provisions in Delhi and Mumbai, which consider begging a crime, unconstitutional. The court clearly said that the solution to the problem of begging is not punishment, but rehabilitation. Talking about the laws on begging in other countries of the world, aggressive begging is a crime in some states of the most powerful nation America. However, here too the courts consider it freedom of speech. Vagrancy Act 1824 has now been relaxed in Britain. Begging peacefully is valid in Germany and France, but doing it aggressively is a crime. Begging is banned at the local level in Norway and Sweden. It is completely illegal in Saudi Arabia, UAE and Qatar. If found guilty, the person is sent to jail and if he is a foreigner, he is expelled from the country. In the neighboring country China, beggars are sent to reformatory. In Japan, social security is so strong that begging is almost negligible. In New Zealand, peaceful begging is legal, but threats or coercion is a crime. In the neighboring country Pakistan, more than 20 lakh people are involved in begging. In big cities like Karachi, Lahore, Faisalabad, Islamabad, begging has become an organized business. There, the word professional beggar has become common, that is, people for whom begging is a permanent profession. The irony is that the responsible people of the government pass by the squares, temples, roads or markets where beggars are roaming every day. They ignore this problem even after seeing it. Either this problem has become common for them now or they have accepted defeat. Mizoram has shown the way. However, there are just over 30 beggars in Aizawl, the capital of Mizoram, most of whom are non-locals. It may be possible to implement such a law in a small state, but in big states like Uttar Pradesh, Maharashtra, Tamil Nadu, Karnataka, Bihar, Rajasthan, Madhya Pradesh, something new will have to be thought of to solve this problem. Making a central law on begging and implementing it strictly is not only in the national interest, but it is also the need of the hour. A developed India cannot be imagined with the increasing number of beggars.

Assam: How effective will the latest effort to stop infiltration be?

During this movement, the Nellie massacre in 1983 made headlines all over the world. During that time, many villages of minorities were wiped out and more than two thousand people were killed in a single night. The problem of infiltration in Assam is as old as the independence of the country. Despite all the movements and government efforts, it has not been completely curbed till now. Now, the Himanta Biswa Sarma government of the state has decided not to issue Aadhaar cards to the youth who complete 18 years from October 1 as part of this exercise. But questions are being raised on this decision. In the eighties, the Assam movement was run for about six years under the leadership of All Assam Students Union (AASU) in protest against the large-scale infiltration from across the border from Bangladesh. After that, the entire state was burning in the fire of violence for six years. During this time, more than nine hundred youths lost their lives and the loss of property is beyond estimation. During this movement, the Nellie massacre of 1983 made headlines all over the world. During that time, many villages of minorities were wiped out and more than two thousand people were killed in a single night. This movement ended after the Assam Accord in 1985. But this controversy has been flaring up often. This controversy reached its peak during the exercise of the National Register of Citizens (NRC). This is the reason why there was large-scale violence in the state against the NRC at that time. Later, the draft report of the NRC was shelved for unknown reasons. The Assam Accord stated that 'foreign' citizens who enter the state illegally from across the border will be kept in detention centers until the Border Security Force (BSF) sends them back to their country, but even after that, this provision was not implemented for years. The Assam Gana Parishad (AGP) was born from the womb of the movement led by AASU in the eighties against infiltration from Bangladesh in the state. In the elections held after that movement, AGP got a huge majority and Prafulla Kumar Mahanta became the youngest Chief Minister of the state. Since then, this issue has been raised from time to time. Actually, the roots of this problem are spread far and wide. Amalendu Dutt, a leading historian of Assam, says that in the year 1911, the British Census Commissioners had mentioned in their report about the large scale influx of people from the then East Bengal to the state. A year later, Sylhet Division was separated from Bengal and made a part of Assam. After that, the Muslim population started increasing rapidly. From that time onwards, clashes between Hindu and Muslim sections started.In the year 1937, Congress leader Jawaharlal Nehru justified the influx of people from East Bengal for the development and prosperity of Assam. But the country's first President Rajendra Prasad opposed this argument saying that settling Hindus of Bihar in the Brahmaputra Valley is better than settling Muslims of Mymensingh. Decades later, the cut-off date for those coming from Bangladesh was fixed as March 24, 1971. The Liberation War had started there a few days before that. After independence, the Congress had driven away the intruders on a large scale. Later, the Gopinath Bordoloi government decided to go slow on this policy. Assam shares a 263 km long border with Bangladesh. Out of this, 119.1 km area is connected to rivers. Due to geographical conditions, barbed wire fencing could not be installed on the border in some areas. In such a situation, infiltration is very easy. Especially in the Karimganj area of ??Barak Valley, the Kushiyara river separates the Sylhet area of ??Bangladesh from India. Common people can easily cross from one side to the other with the help of boats in that narrow river. In the border areas, the border line disappears during weddings, public festivals and relations. This is not legal but a tradition that has been going on for centuries. Despite the partition of the country, this trend continued as it is. The situation is such that when you go to the Karimganj area, you cannot even tell whether you are in India or Bangladesh. There is a lot of similarity in dress, language, culture and customs. In such a situation, it is impossible to identify the intruders after they cross the border and reach here. They mix well with the local population. After assuming power, Himanta Biswa Sarma launched a large-scale campaign against the minorities coming from across the border and settling in the state. Under this, large-scale arrests were made. A massive campaign was launched against child marriage and action against Miyan Muslims was intensified. The word Miya (Miyan) is used for Muslims of Bengali origin in Assam. It is not considered a very good word and some people also see it as an insult. The then British rulers settled people of this class in Assam in the late 1890s on both sides of the Brahmaputra River for farming and other works. People of this class are not seen with respect in the state. Himanta has said many times that he does not want the votes of Miya Muslims. He said that BJP does not need the votes of the Muslim community of Bengali origin in Assam. I do not want the votes of Miya Muslims. Many people in the state believe that Assam has lost its identity, culture and land due to migrant Muslims. After coming to power, the government not only made many controversial laws but also launched a campaign to remove illegal encroachments on a large scale. This campaign has been carried out on many occasions. But it proved to be quite violent, but the government remained firm on its stand. Now, as a part of the latest exercise to stop infiltration, the government has decided to ban the issuance of Aadhar cards to youth above 18 years of age for one year. The government's argument is that more Aadhar cards have been made in the state than the population. But in the case of tribals and tea garden workers, this figure is only 96 percent. This is why people of this community have been given a one-year exemption. That is, these people can get their Aadhar cards made by the end of September next year. In the notification issued by the government, those people who are Indian citizens have been asked to get their Aadhar cards made by 30 September. But questions are also being raised on this decision of the government. The All India United Democratic Front has termed this a tyrannical decision. Party MLA Rafiqul Islam said that the government wants to deprive the people of the state from voting. This is why Aadhar cards have been banned before the assembly elections to be held next year. Political analysts say that since the Himanta Biswa government came to power, it has been running a massive campaign against Bengali-speaking minorities in the state. But in government.

बारिश का कहर: रामपुर-संभल व मुरादाबाद में स्कूल बंद, मंडल में सिपाही समेत पांच की मौत, अलर्ट जारी

मुरादाबाद मंडल में बारिश से हुए हादसों में पांच लोगों की मौत हो गई। भारी बारिश के चलते प्रशासन ने अलर्ट जारी कर दिया है। सुरक्षा को देखते हुए स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है।मुरादाबाद मंडल में लगातार हो रही बारिश जानलेवा साबित होने लगी है। अलग-अलग हादसों में सिपाही समेत पांच लोगों की मौत हो गई। जान गंवाने वालों में तीन किशोर और चार साल की मासूम शामिल है। तीनों किशोर मुरादाबाद जिले के रहने वाले हैं। बिजनौर जिले के नगीना थाने के गांव पुरैनी निवासी सिपाही रजनीश की चंदौसी में गणेश चौथ मेले में ड्यूटी लगी थी।सोमवार की सुबह 10 बजे वह बारिश के बीच बाइक से ड्यूटी पर जा रहे थे। इस दौरान सीकरी गेट रामकृष्ण धर्मशाला मार्ग पर कबीर गली के बाहर दूसरे वाहन को साइड देने के चक्कर में वह नाले में जा गिरे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रजनीश को नाले से बाहर निकाला और सीएचसी ले गए जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।वहीं संभल के मोहल्ला लोधी सराय बढ़ई वाली बस्ती निवासी ई-रिक्शा चालक राधेश परिवार के साथ रायसत्ती स्थित माता के थान पर जात लगाने जा रहे थे। ई-रिक्शा साइड में खड़ा कर बच्चों को बाहर बुलाने लगे। इसी बीच उनकी चार वर्षीय बेटी अर्चना पिता के पीछे चल दी और पास में बह रहे नाले में जा गिरी। राधेश ने नाले में कूदकर बेटी को निकाला और जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।इनके अलावा मुरादाबाद में तीन किशोरों की जान चली गई है। मुरादाबाद के लोधीपुर जवाहर नगर निवासी बाबू के 17 वर्षीय बेटे गणेश की करंट की चपेट में आकर मौत हो गई। चार घंटे बाद ही एक और हादसा हुआ। लोधीपुर गांव निवासी जितेंद्र प्रजापति (17) और अंकुश प्रजापति (17) की तालाब में डूबकर मौत हो गई। दोनों किशोर गांव के अन्य लड़कों के साथ पेड़ से तालाब में छलांग लगाकर नहा रहे थे। परिजनों ने तीनों ही किशोरों के शवों का पोस्टमार्टम नहीं कराया है।रामपुर, संभल और मुरादाबाद में आज स्कूल बंद तेज बारिश की आशंका के चलते प्रशासन ने मंगलवार को स्कूल बंद करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत रामपुर में आठवीं कक्षा तक, संभल और मुरादाबाद में नर्सरी से 12वीं कक्षा तक के स्कूल मंगलवार को बंद रहेंगे। यह आदेश सभी सरकारी, अर्ध सरकारी और निजी स्कूलों पर लागू होगा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विमलेश कुमार के अनुसार स्कूली बच्चों को परेशानी न हो, इसे देखते हुए डीएम अनुज सिंह ने स्कूल बंद करने का फैसला लिया है।रामगंगा और गागन का बढ़ा जलस्तर कालागढ़ डैम से पानी छोड़े जाने कारण रामगंगा और गागन नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। बाढ़ खंड के अधिकारियों के मुताबिक कालागढ़ डैम से तीन दिनों करीब 15 हजार क्यूसेक पानी रामगंगा में छोड़ा गया है। सोमवार की शाम छह बजे रामगंगा का जलस्तर बढ़कर 188.61 मीटर हो गया। नदी के खतरे का निशान 190.60 मीटर है। गागन नदी का जलस्तर 190.70 मीटर पहुंच गया है। इस नदी का लाल निशान 192 मीटर है। वहीं जिले में 278.88 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई।बारिश से घर की दीवार में उतरा करंट, किशोर की मौत मझोला थाना क्षेत्र के लोधीपुर जवाहर नगर में सोमवार की सुबह तेज बारिश से घर की दीवारों और फर्श में करंट उतर आया। उसकी चपेट में आकर एक किशोर की मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया। लोधीपुर जवाहर नगर निवासी बाबू का परिवार सोमवार की सुबह घर में ही मौजूद था।बारिश की वजह से परिजन बाहर नहीं गए। सोमवार सुबह करीब 11 बजे बिजली के बोर्ड में पानी पहुंच गया जिसके बाद घर की दीवार और फर्श में करंट उतर आया। बाबू का 11 वर्षीय बेटा गणेश करंट से झुलस गया। इससे परिवार में चीख पुकार मच गई। घर की बिजली सप्लाई बंद कर गणेश को परिजन अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।इसके बाद परिजन शव घर ले आए। उन्होंने पुलिस को सूचना दिए बिना ही शव का संस्कार कर दिया। मझोला थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि किशोर को करंट लगने की सूचना नहीं मिली है।रेलवे लाइन और यार्ड में पानी भरने से थम गए ट्रेनों के पहिये लगातार बारिश होने से रेलवे लाइन और यार्ड में पानी भर जाने से ट्रेनों के पहिये थम गए। रेलवे की टीमों ने पंपिंग सेट की मदद से पानी को निकाला। इसके बाद ट्रेनों का संचालन शुरू किया गया। मुरादाबाद रेलवे स्टेशन के कपूर कंपनी यार्ड में पानी भर गया था। सूचना मिलने पर रेलवे की टीम मौके पर पहुंची और हाईस्पीड मोटर पंपिंग सेट लगाकर पानी की निकासी की।इस वजह से आला हजरत एक घंटे, दिल्ली-काठगोदाम संपर्क क्रांति एक्सप्रेस 35 मिनट, योगनगरी-प्रयागराज-पौन घंटे लेट पहुंची। इनके अलावा दुर्गियाना एक्सप्रेस पांच घंटे, जनसेवा पांच घंटे, गोरखपुर-अमृतसर तीन घंटे देर से पहुंची। मुरादाबाद रेल मंडल के बरेली और अन्य स्टेशनों पर भी रेल लाइन और यार्ड में पानी भर गया था।डीआरएम कार्यालय में छत से टपका पानी भारी बारिश का असर डीआरएम कार्यालय में देखने को मिला। यहां कई जगह छतों से पानी टपकने से अधिकारी और कर्मचारियों को परेशानी उठानी पड़ी। कपूर कंपनी पुल पर कैरिज एंड वैगन कार्यालय में भी पानी भर गया।पाकबड़ा बिजलीघर में भरा पानी, 12 गांवों की बिजली गुल पाकबड़ा में बारिश की वजह से नगर के बिजलीघर में भी जलभराव हो गया जिससे 12 गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। देर रात तक बिजलीघर से पानी बाहर निकालने में कर्मचारी जुटे रहे। इस दौरान प्रभावित गांवों में लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। विभागीय अधिकारियों के अनुसार कॉलोनी का पूरा पानी बिजली घर में भर गया।परिसर में जलभराव को देखते हुए बिजली सप्लाई को रोक दिया गया। देर शाम तक परिसर से पानी बाहर निकालने का काम जारी रहा। अवर अभियंता टीएन भास्कर ने बताया कि बिजलीघर के पास चारों ओर लोगों ने अवैध रूप से घर बना लिए हैं जिससे पानी की निकासी नहीं हो पाती है। पूरी कॉलोनी का पानी परिसर में ही इकट्ठा होता है। ट्रांसफार्मर तक पानी पहुंचने पर सप्लाई बंद कर दी गई।

जिले में 278.88 एमएम बारिश, नदियों का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ का खतरा

मुरादाबाद- मुरादाबाद- जिले में मूसलाधार बारिश से एक बार फिर बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। नदियां उफान पर होने से जिला आपदा प्राधिकरण प्रबंधन ने तहसीलों के अधिकारियों व बाढ़

चौकियों को अलर्ट कर दिया है। रविवार रात से सोमवार दोपहर तक 278.88 मिलीमीटर मूसलाधार बारिश ने जनजीवन बेपटरी कर दिया। रामगंगा व गागन नदी का जलस्तर चढ़ाव के क्रम में रिकॉर्ड किया गया। मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को अस्त व्यस्त कर दिया। जिले में कुल 278.88 मिलीमीटर बारिश हुई। जिसमें बिलारी तहसील में सर्वाधिक 103.33 मिलीमीटर बारिश हुई। जबकि सबसे कम ठाकुरद्वारा में 40.3 मिमी बारिश हुई। लगातार बारिश ने नदियों का जलस्तर बढ़ाया तो तटीय इलाकों में बाढ़ के संभावित खतरे से निपटने के लिए अलर्ट जारी कर दिया गया। रामगंगा कटघर रेलवे पुल और कालागढ़ डैम और मुरादाबाद में गागन का जलस्तर भी बढ़ गया। हालांकि अभी चेतावनी स्तर से नीचे है। जिला आपदा प्राधिकरण प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार बारिश से एक जनहानि हुई है। जिले में 35 बाढ़ चौकियां अलर्ट पर हैं। इसके अलावा 29 शेल्टर होम फिर सक्रिय कर दिए गए हैं। जिससे जरूरत पर इसका प्रयोग हो सके। एक नजर में आंकड़ा रामगंगा कटघर रेलवे पुल 188.670 मीटर चढ़ाव रामगंगा कालगढ़ डैम 357.810 मीटर चढ़ाव गागन मुरादाबाद 190.70 मीटर चढ़ाव तहसीलवार बारिश मुरादाबाद सदर- 65.75 मिलीमीटर कांठ- 69.50 मिलीमीटर बिलारी- 103.33 मिलीमीटर ठाकुरद्वारा- 40.30 मिलीमीटर कुल बारिश- 278.88 मिलीमीटर

नवजात की सांसों से डॉक्टरों ने जोड़ी अपनी धड़कन, दिया नया जीवन

मुरादाबाद- 20 अगस्त की शाम को बोरे में बंद मिली एक नवजात बच्ची जब महिला अस्पताल लाई गई, तो किसी को भरोसा नहीं था कि वह जिंदा बचेगी। थम रही सांसें, ठिठुरता शरीर और नाजुक धड़कनेंज लेकिन इसी बच्ची की हर सांस के साथ डॉक्टरों ने अपनी धड़कनों की रफ्तार जोड़ दी। 11 दिनों तक मौत और जिंदगी के बीच लड़ी गई इस जंग में जिंदगी जीती। आज बच्ची पूरी तरह स्वस्थ है।एसएनसीयू में जिस दिन बच्ची भर्ती हुई उस दिन पीडियाट्रिशन डॉ. प्रतीक ड्यूटी पर थे। बोरे में बंद रहने के कारण बच्ची का शरीर ठंडा पड़ रहा था और सांसें धीमी थीं। वार्मर, ऑक्सीजन सपोर्ट और दवाओं के सहारे उसे जिंदगी की डोर से बांधने की कोशिश शुरू हुई। अगले दिन से बच्ची डॉ. सना की देखरेख में रही। पहले चार-पांच दिन बहुत मुश्किल थे। हर बार उसकी सांस धीमी पड़ती तो लगता जैसे हमारी भी सांस थम गई हो। हम सब उसे बच्चे की तरह देख रहे थे, डॉ. सना ने भावुक होते हुए कहा।बच्ची इतनी कमजोर थी कि दूध तक नहीं पी पा रही थी। स्टाफ नर्सों ने रात-दिन देखभाल की। कभी-कभी लगता था कि वह हमें छोड़ देगी, लेकिन फिर उसकी छोटी-सी उंगलियां हमारी उंगलियों को पकड़ लेतीं और जैसे कहतीं मैं जिंदा रहना चाहती हूं। बताया कि अब बच्ची हर दो घंटे में खुद 3.5 एमएल दूध पी रही है। डॉक्टरों का कहना है कि यह बच्ची अब पूरी तरह स्वस्थ है और जल्द ही डिस्चार्ज की जा सकती है। सिस्टर सोनिया ने नाम रखा गुड़िया डॉ. सना ने बताया कि उनके साथ ही डॉ. किरन और डॉ. प्रतीक का भी इस सफर में काफी सहयोग रहा। स्टाफ नर्स प्रिया, पुष्पा, अनीता, अमित, रितु और रुबी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सिस्टर सोनिया ने जब बच्ची को गुड़िया कहकर पुकारना शुरू किया तो फिर सभी उसे इसी नाम से बुलाने लगे।

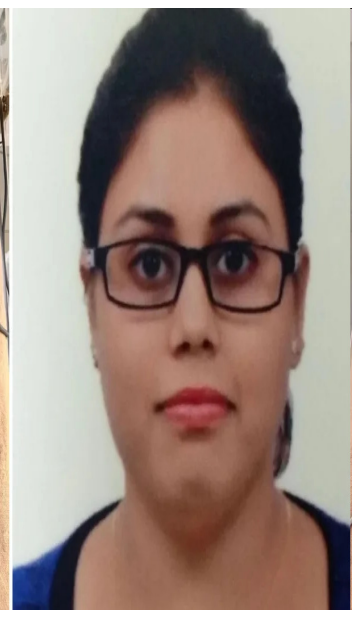

संक्षिप्त समाचार

बर्ड फ्लू में 60 पोल्ट्री फार्म की रिपोर्ट निगेटिव, अंडा व मुर्गी कारोबार को राहत की उम्मीद

मुरादाबाद- मुख्य पशु चिकित्सा अधिकार डॉ. वेद प्रकाश ने बताया बर्ड फ्लू में 60 पोल्ट्री फार्म से लिए गए नमूनों की रिपोर्ट निगेटिव आई है। जिलाधिकारी द्वारा मांगी गई आख्या रिपोर्ट भेज दी गई है। सोमवार को अंडा-मुर्गी की बिक्री का कारोबार बंद हुए 21 दिन हो गए हैं। अंडा-मुर्गी कारोबारी लगातार दुकानें खुलवाने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि तीन माह तक सभी पोल्ट्री फार्म से मुर्गियों के नमूने लेकर जांच कराई जाती रहेगी। बताया कि जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह ने बर्ड फ्लू की बाबत आख्या मांगी थी। जिलाधिकारी को आख्या भेज दी गई है अब इस मामले में जिला अधिकारी को फैसला करना है। मामले में जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह ने बताया कि अभी मामले को लेकर मंथन चल रहा है, इसमें स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से वार्ता कर जल्द फैसला लिया जाएगा।

कांठ में तेंदुए का जोड़ा दिखने से फैली दहशत, शोर मचाने पर जंगल में भागे

मुरादाबाद- तहसील क्षेत्र के गांव मुख्तियारपुर नवादा के पास तेंदुए का जोड़ा दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है। रविवार की रात कुछ लोगों को स्वामी चमन ऋषि महाराज के आश्रम पर तेंदुए का जोड़ा दिखाई दिया। जिसकी वीडियो बना ली गई। तमाम ग्रामीण व किसान एकत्र हो गए। ग्रामीणों को देख तेंदुए का जोड़ा पेड़ पर चढ़ गया। काफी शोर मचाने के बाद जंगल के रास्ते चला गया।खेतों में तेंदुए के पंजों के निशान भी मिले हैं। मास्टर धर्मपाल सिंह बिश्नोई, बिट्टू बिश्नोई, हरीराज सिंह बक्शी, कृष्ण अवतार सिंह, सुभाष पारवा, धर्मवीर सिंह, राजवीर सिंह, लखी बिश्नोई आदि का कहना है कि चमन ऋषि आश्रम में रहते हैं। जो इस समय हरिद्वार में है। वहां श्रद्धालुओं का आवागमन रहता है। नहर के समीप कई बार तेंदुआ देखा जा चुका है। ग्रामीणों ने बताया कि शेखर बिश्नोई के घेर में घुसकर कुछ दिन पूर्व एक गोवंश को शिकार बना लिया था। किसान खेतों पर जाते डर रहे हैं। बच्चों का घर से निकलना बंद कर दिया है। ग्रामीणों ने प्रदर्शन की चेतावनी दी है।

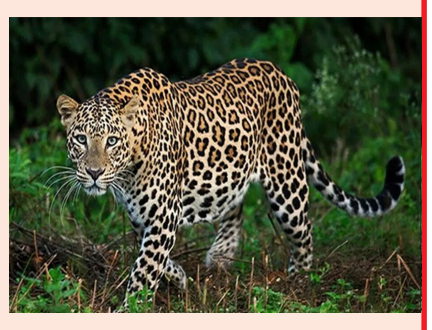

मुनाफे का झांसा देकर हैंडीक्राफ्ट कारोबारी से डेढ़ करोड़ की ठगी

मुरादाबाद- गलशहीद थाना क्षेत्र के कारोबारी से महिला साइबर अपराधी ने ट्रेडिंग के नाम पर एक करोड़ 64 लाख 96 हजार 474 रुपये ठग लिए। खुद को दिल्ली निवासी बताने वाली महिला ने कारोबारी से मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर यह रकम ट्रांसफर कराई है। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करा दिया है। हैंडीक्राफ्ट कारोबारी की गलशहीद थाना क्षेत्र में ही फर्म है। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 20 मई 2025 को उनके मोबाइल पर एक व्हाट्सएप मैसेज आया। मैसेज करने वाली ने नाम जियाना अरोड़ा व खुद को दिल्ली निवासी बताया। कहा कि पिछले पांच साल से ट्रेडिंग कर रही है। आप भी अगर ट्रेडिंग करते हैं तो अच्छा मुनाफा होगा। इसके बाद आरोपी ने व्हाट्सएप के जरिए एक लिंक उपलब्ध कराया। आईडी बनाई गई और प्रूफ जमा किया गया। कारोबारी ने 30 मई को पहली बार 40 हजार रुपये फोन पे से ट्रांसफर किए। जिसके बाद उन्हें 10480 रुपये का लाभ हो गया। इसके बाद आरोपी ने अलग अलग खातों से 20 मई से 18 अगस्त के बीच 13 खातों में रकम उन्होंने लगभग 20 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। जिसमें उन्हें 44 लाख 78 हजार 644 रुपये का लाभ हो गया। कारोबारी की आईडी पर उनके लाभ की रकम दिख भी रही थी। उन्होंने इस रकम को खाते में लेने का प्रयास किया तो उनसे बार बार टैक्स के नाम पर रकम जमा कराई। इसके बाद धीरे धीरे साइबर ठग ने उनसे एक करोड़ 44 लाख 96 हजार 474 और जमा करा दिए। इस तरह एक करोड़ 64 लाख 96 हजार 474 रुपये ठग चुके थे।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बाराबफात व उर्स शराफत मियां पर यातायात व्यवस्था में किया बदलाव

शाम छह बजे से 5 सितम्बर तक रहेगा रूट डायवर्जन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बाराबफात और उर्स शराफत मियां के अवसर पर निकलने वाले जुलूसों एवं आयोजित कार्यक्रमों को देखते हुए पुलिस ने शहर की यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। पुलिस अधीक्षक यातायात मोहम्मद अकमल खान ने बताया कि एक से पांच सितम्बर तक उर्स शराफत मियां आयोजित होगा, जबकि पांच सितम्बर को बाराबफात का पर्व मनाया जाएगा। इन अवसरों पर भारी संख्या में अंजुमन इकठ्ठा होंगी, जुलूस निकलेंगे और मेला भी लगेगा। इसी कारण तीन सितम्बर शाम छह बजे से पांच सितम्बर तक यातायात डायवर्जन लागू रहेगा भारी वाहनों पर रोक मिनी बाईपास इज्जतनगर डेलापीर तिराहा इस्लामिया स्कूल वियावनी कोठी रोड आफिसर्स मेस कॉलोनी से शहर की तरफ रामगंगा तिराहा से चौपला की ओर इन मार्गों पर भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। दिल्ली, रामपुर, नैनीताल और पीलीभीत की तरफ से आने वाले सभी भारी वाहन सिर्फ बरेली बाईपास से होकर ही गुजरेंगे। इज्जतनगर से डेलापीर तक कोई भी भारी वाहन प्रवेश नहीं कर सकेगा। छोटे वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग सूद धर्मशाला , मूर्ति नर्सिंग होम, मठ गली , श्यामगंज चौराहे, कालीबाड़ी रोड मूर्ति नर्सिंग होम , किला रोड,मठ की गली श्यामगंज चौराहे, किला रोड कालीबाड़ी रोड , पटेल चौक वीरांगना चौक , बुखारा रोड इन मार्गों का उपयोग छोटे वाहन चालक आसानी से कर सकेंगे। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे यातायात पुलिस की एडवाइजरी का पालन करें और अनावश्यक रूप से जाम से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का ही इस्तेमाल करें।

भक्ति और उत्साह के बीच रामगंगा में गणपति बप्पा का धूमधाम से हुआ विसर्जन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। भगवान श्री गणेश विसर्जन यात्रा ने पूरे शहर का माहौल भक्तिमय कर दिया। मंगलवार को जय गणेश देवा, गणपति बप्पा मोरया, मंगलमूर्ति मोरया के जयकारों से गलियां, चौक और सड़कों पर भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। शहर बाबूराम धर्मशाला में अनिल पाटिल द्वारा की गई गणेश स्थापना सहित विभिन्न समितियों की ओर से गणेश प्रतिमाओं का भव्य शोभायात्रा के जरिए रामगंगा नदी पर विसर्जन किया गया। घरों, पंडालों और मोहल्लों में स्थापित गणेश प्रतिमाओं को ट्रैक्टर, ट्रक और मैजिक वाहनों से नगर पंचायत द्वारा बनाए गए विसर्जन स्थलों तक ले जाया गया। रामगंगा के घाटों पर शहर के साथ-साथ देहात क्षेत्रों और सैन्य क्वॉर्टर से भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचे। सैकड़ों की भीड़ भक्ति गीतों पर झूमती-नाचती रही। रंग-गुलाल उड़ाते हुए भक्तों ने एक-दूसरे को रंगों से सराबोर किया और फिर मंत्रोच्चार के बीच प्रतिमा का पूजन कर विसर्जन किया। विसर्जन के दौरान अनिल पाटिल सहित कई श्रद्धालुओं ने बताया कि उन्होंने अपनी-अपनी मन्नतों के अनुसार चार दिन तक गणपति बप्पा की सेवा कर विधिवत पूजा-अर्चना की और उसके बाद प्रतिमा का विसर्जन किया। भक्ति, उत्साह और आस्था से सराबोर इस आयोजन में जगह-जगह भक्तों ने गणपति बप्पा को विदाई दी और अगली बार जल्दी आने की प्रार्थना की।

ग्रामीणों ने प्रधान के खिलाफ जिलाधिकारी को शपथ पत्र दिया ग्राम निधि में बड़ा खेल कर निकले लाखों रुपए

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / गूलरबोझ के प्रधान के खिलाफ ग्रामीण पहुंचे जिलाधिकारी के कार्यालय दिये उसके खिलाफ 10 लोगों ने शपथ पत्र जांच की उठाई मांग ,सरकार द्वारा गांवों के विकास के लिए तमाम योजनाएं चलाई जा रही हैं,

मगर अब भी जरूरतमंदों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जिम्मेदारों द्वारा योजनाओं के लिए मिले धन का उपयोग मनमाने तौर पर किया जा रहा है। योगी आदित्यनाथ सरकार की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को दरकिनार कर सरकारी धन का खूब बंदरबांट किया जा रहा है। अमरिया विकास खंड की ग्राम पंचायत गूलरबोझ में जहाँ ग्रामीणों ने बिना %एमबी% (मास्टर रजिस्टर या मास्टर बुक) के पंचायत निधि के दुरुपयोग की शिकायत जिलाधिकारी से की है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में विकास कार्यों मे सरकारी धन का दुरूपयोग करते हुए ग्राम प्रधान, सचिव व जिम्मेदारों ने मिलकर सिर्फ कागजों पर ही विकास की लंबी गंगा बहा दी। विकासखंड अमरिया की ग्राम पंचायत गूलरबोझ में डोरीलाल व अन्य ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को दिये शिकायती पत्र में बताया की ग्राम पंचायत गूलरभोज के ग्राम प्रधान व सचिव के द्वारा वर्ष 2021 से अब तक कोई भी विकासकार्य नहीं किया गया औरपंचायत ग्राम निधि का जमकर दुरूपयोग किया गया हैं।

ग्राम पंचायत में कहीं भी स्ट्रीट लाइटें नहीं लगवाई गई और हैंडपंपों का भी रिवोर नहीं हुआ इसके साथ ही रोड़ा भराव, वाल पेंटिंग एवं ग्राम पंचायत में साफ-सफाई के नाम पर सरकारी धन का जमकर दुरूपयोग किया गया हैं। जबकि ग्राम पंचायत में तीन सफाई कर्मचारी तैनात हैं। यह सभी कार्य बिना एमबी (मास्टर रजिस्टर या मास्टर बुक) के कराए गये हैं। ग्रामीणों ने बताया की वर्ष 2021 से प्रत्येक वित्तीय वर्ष में इनवर्टर-बैट्री, प्रशासनिक व्यय, नल रिवोर, वॉल पेंटिंग, ठेली, साफ-सफाई, सोलर, दिव्यांग शौचालय का गेट, प्रकाश व्यवस्था, रोड़ा भराव, विभिन्न स्थानों पर सिल्प, पंचायत में गांद निकालने के लिए (जबकि पंचायत में सफाईकर्मी तैनात) व अन्य काम के नाम पर लाखों रुपये ठिकाने लगाएं गये। वही इसके विपरीत ग्रामवासियों को विकास के नाम पर अंधेरा, कीचड़ व सड़के नसीब हुई हैं। ग्रामीणों ने शपथपत्र के माध्यम से जिलाधिकारी से निष्पक्ष जांच की मांग कि है। जिससे उनका जीवन सुगम हो सके।

पंचायत चुनाव , मतदाता सूची में त्रुटि बर्दाश्त नहीं , शत-प्रतिशत सत्यापन अनिवार्य - जिला अधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने पंचायत चुनाव-2026 की मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही न बरतने की सख्त चेतावनी दी है।उन्होंने कहा कि बीएलओ गांव-गांव जाकर डोर-टू-डोर सर्वे करें और प्रत्येक मतदाता का शत-प्रतिशत सत्यापन अनिवार्य रूप से करें। नाम जोड़ने या हटाने की कार्रवाई केवल पूरी जांच-पड़ताल के बाद ही की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में बीएलओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है,इसलिए जिम्मेदारी को ईमानदारी और गंभीरता से निभाना होगा।सही मतदाता सूची तैयार करना लोकतंत्र की नींव है और इसमें किसी प्रकार का भेदभाव या लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। ई-बीएलओ मोबाइल ऐप से कार्य करने वालों को प्रोत्साहन अधिकारियों ने बताया कि अधिकतम कार्य ई-बीएलओ मोबाइल ऐप से करने वाले बीएलओ को अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।जिले के श्रेष्ठ आठ बीएलओ को पुरस्कृत किया जाएगा, प्रथम पुरस्कार दस हज़ार रुपये,द्वितीय आठ हज़ार रुपये,तृतीय छह हज़ार रुपये तथा पाँच सांत्वना पुरस्कार तीन-तीन हज़ार रुपये के होंगे। अपर जिलाधिकारी(वित्त एवं राजस्व) संतोष बहादुर सिंह ने निर्देश दिया कि सभी बीएलओ उनतीस सितम्बर तक घर-घर जाकर फॉर्म-ग्यारह पर सूचनाएं संकलित कर उसकी प्रति संबंधित तहसील कार्यालय में जमा करें।साथ ही चुनाव आयोग के निर्देशानुसार ई-बीएलओ मोबाइल ऐप पर रजिस्ट्रेशन पूरा करें। उन्होंने कहा कि गणना कार्य संवेदनशील है,इसमें लापरवाही करने वालों के खिलाफ कार्रवाई तय होगी।प्रशिक्षण में एडीएम संतोष बहादुर सिंह,एसडीएम आंवला विदुषी सिंह,खंड विकास अधिकारी सहित बड़ी संख्या में बीएलओ और सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

बारिश से नदियां उफनीं, कई गांवों में बाढ़ का खतरा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। लगातार हो रही बारिश और उत्तराखंड के गौला बैराज से छोड़े गए 55 हजार क्यूसेक पानी ने तराई और रोहिलखंड के गांवों में चिंता बढ़ा दी है। किच्छा नदी का जलस्तर खतरे से ऊपर बह रहा है। वहीं, बहगुल, दोजोडा, रामगंगा और देवहा नदियां भी उफान पर हैं। बहेड़ी, मीरगंज, फरीदपुर और आंवला क्षेत्र के गांव बाढ़ की चपेट में आने लगे हैं। खेतों में कटान और जलभराव से गन्ना व धान की फसलें डूब रही हैं। प्रशासन ने बाढ़ चौकियों को सक्रिय कर तटबंधों की निगरानी तेज कर अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को तहसीलदार बहेड़ी भानु प्रताप सिंह ने अपनी टीम के साथ किच्छा नदी और आसपास के इलाकों का दौरा किया।अधिकारियों के मुताबिक बहेड़ी में किच्छा नदी , मीरगंज में पश्चिमी बहगुल, दोजोडा नदी और फरीदपुर, मीरगंज, आंवला व नवाबगंज में रामगंगा और देवहा नदी प्रवाहित होती है। किच्छा नदी में पानी बढ़ने से बहेड़ी के गांव रतनपुर नौडांडी, रजपुरा, रिछोली, मुकरमपुर समेत दर्जनों गांव चपेट में है। यही हाल मीरगंज इलाके का है। रामगंगा, बहगुल नदी में लगातार जलस्तर बढ़ने से कटान हो रहा है। नदी किनारे बसे गांव सुल्तानपुर, धर्मपुरा, मीरपुर,दुनका,बफरी अब्दुलनबीपुर, जुन्हाई आदि गांवों में गन्ना, धान की फसल जलमग्न हो गई है। लगातार बारिश और नदियों में छोड़े जा रहे पानी से हालात गंभीर होते जा रहे हैं। खेतों की फसलों के साथ किसानों की रोज़ी-रोटी पर भी खतरा मंडराने लगा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से राहत और कटान रोकने के स्थायी इंतजाम की मांग की है। देवहा नदी से किसानों की मुश्किलें बढ़ीं सोमवार को नानक सागर और दूनी बैराज से छोड़े गए 41 हजार क्यूसेक से अधिक पानी ने देवहा नदी का जलस्तर अचानक बढ़ा दिया। भदपुरा क्षेत्र के बहीर जागीर, सिलरा, नवदिया और अमीरनगर गुलड़याई समेत दर्जनों गांव प्रभावित हुए हैं। किसानों की सैकड़ों बीघा जमीन नदी में समा चुकी है। पूरनलाल, श्रीराम, धर्मेंद्र और विवेक सिंह जैसे कई किसानों की करीब 40 बीघा जमीन जलधारा में बह गई। कटान की रफ्तार इतनी तेज है कि रोजाना उपजाऊ खेत बर्बाद हो रहे हैं। सहायक अभियंता अमित किशोर ने बताया कि सभी तटबंध सुरक्षित हैं और उनकी लगातार निगरानी की जा रही है। बाढ़ चौकियों को सतर्क कर दिया गया है। हालांकि अभी जलस्तर खतरे के निशान से नीचे है, लेकिन गांवों में सतर्कता जरूरी है।

जिलाधिकारी ने बार कंट्रोल रूम का किया औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने आज जनपद स्तर पर स्थापित बाढ़ कंट्रोलरूम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कंट्रोलरूम में तैनात कर्मचारी उपस्थित पाए गए। इसके साथ ही उन्होंने बाढ़ से प्रभावित व्यक्तियों/परिवारों की शिकायतों की जानकारी ली और शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो भी सूचनाऐं/शिकायतें प्राप्त हो तत्काल उच्चाधिकारी को अवगत कराया जाए जिससे की समय से निस्तारण किया जा सके। इस दौरान उप जिलाधिकारी (न्यायिक), मुख्य लेखाकार, आपदा विशेषज्ञ सहित अन्य उपस्थित रहे।

डिलारी थाने के नवागत थाना प्रभारी कृष्ण कुमार मंगेला ने संभाला चार्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / मुरादाबाद। थाना डिलारी के नवागत थाना इंचार्ज कृष्ण कुमार मंगेला ने चार्ज संभाल लिया और निर्वतमान एसएचओ मनोज कुमार पाकबड़ा थाने का चार्ज लेंगे। रविवार की दोपहर डिलारी थाना के नवागत थाना प्रभारी कृष्ण कुमार मंगेला ने चार्ज संभाल लिया। निर्वतमान एसएचओ मनोज कुमार का तबादला पाकबड़ा हो गया है। मनोज कुमार का तबादला होने पर डिलारी थाना परिसर मे भाव विदाई का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नवयुक्त थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने कार्यभार संभालते ही मीडिया के सामने

बताया - की क्राइम व अपराध को रोकना ही मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में गस्त बढ़ाई - जाएगी और थाने चौकी पर शिकायत लेकर आए फरियादों की सुनवाई की जाएगी और सभी स्टाफ को इसके निर्देश जारी किये उन्होंने आगे कहा कि मेरे कार्यकाल में आमजन के साथ किसी भी तरह का दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा चोरी लूट अवैध रूप से बन रही शराब खनन गोकशी इन सभी क्राइम करने वालों को बक्सा नहीं जाएगा उन्होंने आगे बताया कि महिला अपराध और साइबर क्राइम पर विशेष नजर रहेगी साथ ही छोटी से छोटी कमियों को दूर कर आमजन के दिलों में पुलिस के प्रति भरोसा जुटाए थाने में शिकायत लेकर आने वाले फरियादों की हर संभव मदद की जाएगी अपने कार्यकाल में लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी अगर कोई कानून को अपने हाथ में लेगा तो उसे किसी भी कीमत पर बक्सा नहीं जाएगा पीड़ित को न्याय दिलाना ही मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी क्योंकि पीड़ित इंसाफ के लिए ही हम पर भरोसा करके अपनी फरियाद लेकर थाने आते है। उनके भरोसे को टूटने नहीं दिया जाएगा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बिना अनुमति के नहीं बजेंगे डीजे, डीएम ने दिया आदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। ईद-ए-मिलादुन्नबी एवं बारावफात के अवसर पर कानून व्यवस्था दुरुस्त रखने व सौहार्दपूर्ण वातावरण में कराने के लिए सोमवार को डीएम अविनाश सिंह ने बैठक की। कलक्ट्रेट स्थित सभागार में हुई बैठक में भी बुलाया गया संबंधित लोगों को था। डीएम ने कहा कि बिना अनुमति के कोई आयोजन न हों, सभी क्षेत्रों में पुलिस/प्रशासनिक अधिकारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान डीजे भी प्रतिबंधित रहेगा। बैठक में एडीएम सिटी सौरभ दुबे ने डीएम को बताया कि चार व पांच सितंबर को बारावफात के अवसर पर बड़ी संख्या में जुलूस निकाले जाते हैं। चार सितंबर को जिले में 116 जुलूस व पांच सितंबर को 718 जुलूस निकलेंगे। इसी बीच गणेश विसर्जन का भी आयोजन होगा और अगस्त्य मुनि की शोभायात्रा भी निकलेगी। अफसरों को दिए ये निर्देश डीएम ने कहा कि देखने में आ रहा है जब किसी प्रकरण पर सुलह समझौता हो जाता है तो ऐन मौके पर विवाद क्यों हो जाता है। उन्होंने इस पर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

करंट लगने से दो ग्रामीणों की हुई मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। तहसील आंवला के बिशारतगंज क्षेत्र के गांव मुशर्रफपुर में बीती रात करंट लगने से दो ग्रामीणों की मौत हो गई। जिससे गांव में शोक की लहर दौड गई। बताया जा रहा है कि गांव के ही विजय कश्यप (42) और हरदासपुर, सिरौली निवासी चंद्रसेन (35) बिजली गुल होने पर ट्रांसफार्मर का तार ठीक कर रहे थे। ग्रामीणों के अनुसार, दोनों बलदेव के घर की छत से तार जोड़ने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान तार हाई टेंशन लाइन से छू गया और करंट की चपेट में आने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय छत पर बारिश की वजह से नमी भी थी, जिससे हादसा और भयावह हो गया। परिजनों ने आनन-फानन में दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में शोक की लहर है।

बारिश ने मचाया कहर 200 साल पुराना मकान गिरा, लाखों का नुकसान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। लगातार हो रही बारिश से पुराने जर्जर मकान खतरा बनते जा रहे हैं। ताजा मामला थाना किला क्षेत्र के मलिकपुर लाल मस्जिद के पास का है, जहां 200 साल पुराना मकान अचानक भरभराकर गिर गया। मकान मालिक अशरफ खान का कहना है कि यह उनका पुश्तैनी मकान था। अचानक छत ढह गई। गनीमत रही कि हादसे के वक्त घर में कोई मौजूद नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।अशरफ खान ने बताया कि घर के अंदर रखा कीमती सामान मलबे में दबकर टूट गया, जिससे उन्हें लाखों का नुकसान हुआ है।

चलती ट्रेन में लूट का विरोध करने पर युवक को ट्रेन से फेंका बाहर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले में ट्रेन से जुड़ा एक बड़ा हादसा सामने आया है।आरोप है की बदमाशों ने फिल्मी स्टाइल में एक यात्री से लूटपाट की और विरोध करने पर उसे चलती ट्रेन से धक्का दे दिया। घटना में 25 वर्षीय युवक अंकित गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत खतरे से बहार बताई जा रही है।जानकारी के मुताबिक अंकित मुरादाबाद से बरेली लौट रहा था। इसी दौरान बदमाशों ने उससे पैसे मांगे और मोबाइल छीनने की कोशिश की।

फंसी क्रेन को निकलवाने के लिए क्रेन आयी

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह से नवीन मण्डी पीलीभीत पहुंचकर जलभराव जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उपस्थित व्यापारियों द्वारा मण्डी में अत्यधिक जलभराव के कारण माल नुकसान हो व जल निकासी न होने की समस्या बताई। उन्होंने अवगत कराया कि कार्यदायी संस्था द्वारा नाला निर्माण नही कराया गया। जिलाधिकारी ने उक्त समस्या का तत्काल संज्ञान लेते हुये निर्माणाधीन ओवरब्रिज के नीचे जल निकासी हेतु नाला खुदवाये जाने हेतु कार्यदायी संस्था को निर्देश दिये, जिससे की जलभराव की समस्या से निजात मिल सके।

मूसलाधार वारिश से कालोनी कि सड़को पर भरा पानी

क्यूँ न लिखूँ सच / बब्लू / न्यूरिया थाना क्षेत्र कि न्यूरिया कालोनी मे चार दिन से हो रही मूसलाधार वारिश से कालोनी कि सड़को पर भरा पानी कालोनी के मुक्तिधाम पर बना मुकतेश्वर महादेव शिव मंदिर के चारो तरफ कई फिट वरसात का पानी भरा होने के कारण शिव भक्त मंदिर नहीं पहुंच पर रहे है कालोनी मार्ग से भरतपुर कॉलोनी जाने बाले मार्ग पर पानी आजने से लोगो को आने जाने मे बहुत परेशनी हो रही है और न्यूरिया का राजकिये बालिका छात्रावास मे कई फिट पानी भरा है जिसमे छात्राओं को आने जाने मे बहुत परेशानी हो रही है और खरगापुर कालोनी मे भी कई जगह मार्गो और मकानों मे पानी भरा है

न्यूरिया कालोनी के प्रधान विश्वनाथ सरकार ने बतया कि कालोनी मे वरसात का पानी भरने का कारण है पानी का सही निकास ण होना कालोनी मे जल भराव कि समस्या के ले कई बार जन प्रतिनिधियों से माग कि गयी कालोनी मे भरतपुर मार्ग पर एक बड़ी पुलिया का निर्माण होना है और एक बड़ी पुलिया का निर्माण बाजार के पास होना है ग्राम निधि मे इतना बजट नहीं होता है जो इन बड़ी पुलियो का निर्माण करया जा सके इन बड़ी पुलियों के निर्माण के लिए शासन और प्रशासन से भी माग कि गयी है लेकिन जब तक इन पुलियो का निर्माण नहीं होगा जब तक कॉलोनी मे जल भराव कि समसस्या बनी रहेगी

♦ न्यूरिया के खरगा पुर कालोनी मे भरा पानी

♦न्यूरिया कालोनी मे शिव मंदिर के चारो तरफ भरा पानी

सूरजपुर –महुली उप स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं की लचर व्यवस्था – स्वास्थ्यकर्मियों की मनमानी से ग्रामीण परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर, चांदनी बिहारपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के महुली उप स्वास्थ्य केंद्र की हालत लगातार बदतर होती जा रही है। यहाँ पदस्थ स्वास्थ्यकर्मियों की मनमानी और लापरवाही से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्टाफ पदस्थ, फिर भी बंद मिलता है स्वास्थ्य केंद्र महुली उप स्वास्थ्य केंद्र में अनिमिका तिर्की (एनएम कर्मचारी), शैलेंद्र अग्रहरी (आरएमओ) और अजीत राय (आरएचओ) जैसे स्वास्थ्यकर्मी पदस्थ हैं। इसके बावजूद स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर और स्टाफ की उपस्थिति नियमित रूप से नहीं होती। ग्रामीण सुबह से लेकर दोपहर तक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचते हैं, लेकिन अधिकांश समय दरवाजा बंद ही मिलता है। ग्रामीणों की व्यथा ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी अपनी मनमानी से आते-जाते हैं। कभी कई दिनों तक केंद्र बंद रहता है, तो कभी घंटों इंतजार करने के बाद भी कोई इलाज नहीं मिलता। गर्भवती महिलाएँ, बुजुर्ग और छोटे बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। सरकारी दावों की पोल स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्यकर्मियों की नियुक्ति तो की गई है, लेकिन उनकी गैर-हाजिरी और लापरवाही ने सरकार के स्वास्थ्य सेवाओं के दावों की हकीकत खोल दी है। 卐सबको स्वास्थ्य सुविधा卐 के नारों के बीच महुली के ग्रामीण बुनियादी इलाज से भी वंचित हैं। ग्रामीणों की चेतावनी ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से माँग की है कि यहाँ पदस्थ स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए और एक स्थायी डॉक्टर की तैनाती की जाए। अन्यथा वे सामूहिक आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। महुली उप स्वास्थ्य केंद्र की यह तस्वीर बताती है कि स्वास्थ्यकर्मी होने के बावजूद उनकी मनमानी और लापरवाही ने ग्रामीणों को बेहाल कर रखा है। अब सवाल यह है कि प्रशासन कब जागेगा और कब पहाड़ी अंचल के लोगों को नियमित स्वास्थ्य सुविधा मिल पाएगी?

यूपी की दो युवतियों की प्रेम कहानी: एक बन गई पति... दूसरी पत्नी, लिव इन में रहने लगे साथ, पुलिस ने दी सुरक्षा

अमरोहा और मंडी धनौरा की दो युवतियों की अनोखी प्रेम कहानी चर्चा में है। मुलाकात के बाद दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई और परिजनों की मर्जी के खिलाफ वह साथ रहने लगीं। हाईकोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने दोनों को सुरक्षा दी है।दो युवतियों की अजब-गजब प्रेम कहानी इन दिनों शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है। परिजनों की पाबंदियों से परेशान होकर करीब एक माह पहले दोनों ने हाईकोर्ट की शरण ली थी। इसके कुछ दिन बाद ही हाईकोर्ट ने दोनों को साथ रहने की अनुमति दी थी। साथ ही पुलिस से सुरक्षा भी देने को कहा था। हाईकोर्ट से राहत मिलने के बाद से दोनों लिव-इन में रह रही है। दोनों युवतियों की प्रेम कहानी लोगों की जुबां पर है।इस अजब-गजब प्रेमी कहानी की शुरुआत अगस्त 2024 में हुई थी। अमरोहा की रहने वाली एक युवती परिजनों के साथ एक रिश्तेदार के शादी समारोह में शामिल होने के लिए मंडी धनौरा गई थी यहां उसकी मुलाकात मंडी धनौरा की ही एक युवती से हुई थी। दोस्ती का हाथ आगे बढ़ाते ही दोनों ने एक-दूसरे को अपने नंबर दे दिए।इसके बाद युवती अमरोहा लौट आई और अगले दिन से दोनों के बीच मोबाइल पर बात होने लगी। इसके बाद में दोनों परिजनों को बिना बताए दिल्ली जाकर रहने लगीं। परिवार वाले दोनों को वापस लेकर आए, तो इसके बाद धनौरा की युवती घर छोड़कर अमरोहा में सहेली के घर आ गई। उसने घर लौटने से मना कर दिया। दोनों ने एक-दूसरे के साथ प्रेम का इजहार कर दिया और साथ रहने की कसमें खाने लगीं। मंडी धनौरा की युवती ने पत्नी बनकर अमरोहा की युवती को अपना पति स्वीकार कर लिया। इसके बाद मंडी धनौरा की युवती घर छोड़कर अमरोहा में आ गई और सहेली के घर पर जा पहुंची। इसी सहेली को उसने अपना पति स्वीकार किया था। परिजन लेने पहुंचे तो युवती बोली, वह बालिग है उधर, मंडी धनौरा में युवती के परिजनों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज करा दी थी। पुलिस ने पड़ताल की तो वह अमरोहा में मिली। पुलिस लेने पहुंची तो धनौरा की युवती ने पुलिस को शपथपत्र भेज दिया। इसमें कहा कि वह बालिग है। अपनी इच्छा से अमरोहा आई है। अब अपनी सहेली के घर उसके साथ ही रह रही है। परिजन लेने अमरोहा पहुंचे तो उसने जाने से मना कर दिया। फिलहाल दोनों युवतियों के परिजन उन्हें समझाने और मनाने का प्रयास करते रहे और वह दोनों शादी करने की जिद पर अड़ी रहीं। अमरोहा में किराये पर रह रहीं हैं दोनों इस बीच दोनों युवतियां परिजनों की मर्जी के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंच गईं। हाईकोर्ट की शरण ली थी। याचिका पर सुनवाई के दौरान हाइकोर्ट ने अमरोहा पुलिस को दोनों युवतियों को सुरक्षा देने का आदेश दिया। वहीं, इस पूरे मामले को लेकर लोग हैरान है। दोनों युवकों की बेमेल मोहब्बत के किस्से शहर के लोगों की जुबां पर हैं। हाईकोर्ट के आदेश पर शहर में साथ में रह रहीं दोनों युवतियों को सुरक्षा भी दी गई है। इस संबंध में काउंटर एफडेविट (सीए) भी दाखिल कराया जा चुका है। फिलहाल, दोनों युवतियों को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं है। - शक्ति सिंह, सीओ

मंगलवार बुढ़वा मंगल पर हनुमान मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ मौजूद रही

क्यूँ न लिखूँ सच / कोंच(जालौन) आज मंगलवार को कोंच में बुढ़वा मंगल को लेकर नगर की सड़कों पर सुबह से ही देर रात तक काफी चहल पहल दिखाई दी नगर के हनुमान मंदिरों में भक्तों की भीड़ देखी गई बुढ़वा मंगल को नगर के मोहल्ला भगत सिंह नगर में स्थित अति प्राचीन गुदरिया महावीर मंदिर में सुबह से लेकर शाम तक भक्तों की भारी भीड़ दर्शन और पूजा पाठ करने को आई मंदिर परिसर और आस पास बढ़िया सुंदर सजावट की गई साथ ही मंदिर को बढ़िया रोशनी और रंग बिरंगी झलरो से सराबोर कर दिया मंदिर में भक्तों को दर्शन करने में कोई दिक्कत न हो बढ़िया व्यवस्था कमेटी द्वारा की गई यहां महंत श्री रमेश दास की देखरेख में रमेश चंद्र विदुआ महेश चंद्र विदुआ मुकेश विदुआ बराबर लगे रहे भक्त लोग मंदिर में हनुमान चालीसा सुंदर कांड बजरंग वाण अखंड रामायण राम चरित्र मानस आदि का पाठ करते रहे और हनुमान जी महाराज का चोला आदि भी लेकर आशीष लेते रहे मंदिर पर बढ़िया व्यवस्था यही देर रात तक मंदिर पर भजन कीर्तन और आरती का दौर चलता रहा यहां पर पूड़ी सब्जी की व्यवस्था भक्तों के लिये की गई इस कार्य में शिक्षक विष्णु संजू यादव राजेश साहू बंटे रावत मुकेश सोनी द्वारा सभी को पूड़ी सब्जी का वितरण किया नगर के मोहल्ला लाजपत नगर सब्जी मंडी में स्थित हनुमान मंदिर को बढ़िया सजाया गया यहां पर भक्तों की भीड़ आती जाती रही मंदिर पर लोग पूजा अर्चना करते रहे और भक्तों द्वारा भंडारे की अच्छी व्यवस्था थी यहां पर बुलाकर लोगों को भंडारा वितरित किया गया इस कार्य में चश्मा व्यापारी संजय झा राकेश अग्रवाल रवि वर्मा देवेंद्र पवन झा विकास गौरव अग्रव अनिल शांडिल ऋषभ अग्रवाल आदि लगे रहे नगर के मोहल्ला लाजपत नगर नझाई बाजार में भी स्थित हनुमान मंदिर पर भी अच्छी सजावट की गई यहां पर भी भक्तों द्वारा पूजा पाठ के साथ साथ भंडारे का आयोजन किया गया इस कार्य में पूर्व सभासद विशाल गिरवासिया बंटी रामू अग्रवाल शिवम सोनी अशोक अग्रवाल पप्पू अग्रवाल शैलेन्द्र अग्रवाल सहित तमाम लोग जुटे रहे और प्रसाद का भी वितरण किया जाता रहा नगर के धनु ताल स्थित विजय श्री लंकेश्वर हनुमान मंदिर पर भी मंदिर की बढ़िया सजावट की गई । शाम के समय से भजन कीर्तन का कार्यक्रम आयोजित किये जाते रहे प्रताप नगर भुजरियां मंदिर पर महावीर मंदिर पर भक्तों द्वारा पूजा पाठ के साथ साथ अन्य धार्मिक कार्यक्रम होते रहे भक्त लोग दर्शन करने देर शाम तक आते जाते रहे शंभू साहब मंदिर पर भी बढ़िया व्यवस्था की गई यहां पर भी भक्त लोग पूजा पाठ में लगे रहे नगर के उरई रोड स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में भी सुंदर सजावट की गई मंदिर कमेटी द्वारा दर्शन करने वालो को कोई परेशानी न आये इसके लिये भक्तों की लाइन लगी रही यहां पर भक्त आराम से दर्शन करते दिखे और मंदिर प्रबंध कमेटी द्वारा भंडारे की व्यवस्था की गई ट्रेक्टर ट्राली पर भंडारे का वितरण किया जाता रहा इस अवसर पर पुजारी कुलदीप दुबे राजीव दुबे संदीप दुबे जय प्रकाश गुप्ता कृष्ण कुमार शिबहरे सौरभ कुशवाहा कमलेश पप्पू पटेल संतोष दीपू प्रभु दयाल अजित राजेश अरुण पवन आदि भक्त मौजूद रहे सुरक्षा व्यवस्था में मंडी चौकी के प्रभारी नीतीश कुमार सिपाही भूपेंद्र पाल सिपाही अभिषेक आदि मौजूद रहे

शासन के बेरुखी से नराज: राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारी मां महामाया मंदिर देवीपुर तक किया नियमितीकरण मनोकामना यात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर - छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अमित कुमार मिरी, प्रदेश महासचिव कौशलेश तिवारी,डॉ रविशंकर दीक्षित, पूरन दास, हेमंत सिन्हा,श्याम मोहन दुबे,प्रफुल्ल कुमार ने सयुंक्त बयान जारी कर जानकारी दी कि सरकार के बेरुखी एवं अड़ियल रवैया से परेशान कर्मचारियों ने इस बार आंदोलन को अनिश्चित कालीन करने का निर्णय लिया हैं, सरकार द्वारा 24 घंटे के भीतर काम पर लौटने हेतु अल्टीमेटम दिया गया है,जिससे नाराज कर्मचारी प्रदेशभर के 16,000 से अधिक एनएचएम कर्मचारी अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार एवं काम बंद,कलमबंद हड़ताल पर है, इस बार संघ ने एसएनसीयू मेंविशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई(Special Newborn Care Unit) सहित आपातकालीन सेवा भी बंद रहेंगा. आपातकालीन सेवाओं को भी पूर्णत: बंद रखने का निर्णय लिया है। इस संबंध में संघ द्वारा शासन को पूर्व में ही सूचना दे दी गई है। संघ द्वारा यह भी निर्णय लिया गया जब तक नियमितीकरण नही होगा आंदोलन अनवरत जारी रहेगा. आश्वासन नही आदेश चाहिए. एनएचएम कर्मचारियों की प्रमुख मांगे- 1. संविलियन/स्थायीकरण। 2. पब्लिक हेल्थ कैडर की स्थापना। 3. ग्रेड पे का निर्धारण, 4. कार्य मूल्यांकन व्यवस्था में पारदर्शिता। 5. लंबित 27ब प्रतिशत वेतन वृद्धि। 6. नियमित भर्ती में सीटों का आरक्षण। 7. अनुकम्पा नियुक्ति। 8. मेडिकल एवं अन्य अवकाश की सुविधा। 9. स्थानांतरण नीति, 10. न्यूनतम 10 लाख कैसलेश चिकित्सा बीमा। 20 वर्षों की सेवा, फिर भी उपेक्षा- एनएचएम कर्मचारी विगत 20 वर्षों से प्रदेश के सुदूर अंचलों से लेकर प्रमुख शासकीय संस्थानों में स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ बने हुए हैं। कोविड- 19 महामारी जैसे संकट में भी इनकी भूमिका अतुलनीय रही है। इसके बावजूद, आज भी उन्हें मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखा गया है, जबकि अन्य राज्यों में इसी मिशन के कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त हैं। राजनीतिक समर्थन और अब की उपेक्षा- संघ के प्रदेश प्रवक्ता- पूरन दास ने बताया कि मौजूदा सरकार के कई वरिष्ठ नेता - जैसे- विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा,वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी व वन मंत्री केदार कश्यप सहित बड़े नेताओ ने - पूर्व में एनएचएम कर्मचारियों के मंचों पर आकर समर्थन देते रहे हैं। छत्तीसगढ़ में चुनाव घोषणा पत्र = मोदी की गारंटी में नियमितीकरण का वादा भी किया गया था। बावजूद इसके, पिछले 20माह में 160 से अधिक बार ज्ञापन व आवेदन देने के बाद भी सरकार की ओर से कोई समाधान नहीं निकल पाया। आज सूरजपुर मे एनएचएम कर्मचारियों हाईटेक न्यू बस स्टैंड सूरजपुर धरनास्थल मे हनुमान चालीसा का पाठ कर एवं बाईक रैली निकालकर मां महामाया मंदिर तक नियमितीकरण हेतु मनोकामना यात्रा रैली निकालकर प्रदर्शन किया और मां महामाया की पूजा अर्चना किया गया और सरकार को सद्बुद्धि दे ताकि जल्द ही हमे नियमितीकरण की सौगात दे.मां महामाया मंदिर के दरबार मे सबने मत्था टेककर जसगान किया. आंदोलन मे मुख्यत:निम्न कर्मचारी शामिल हुए बृजलाल पटेल, तोपान सिंह दायमा,संदीप कुमार नामदेव,सखन राम आयाम,लव सिंह मराबी,राजेश कुमार द्विवेदी, ओम प्रकाश राजवाडे,तारामनी दुबे ,संगीता गुप्ता,कमलेश सोनी ,नीरज कुमार दास,कु.गिरजा मानिकपुरी,श्रीमति कंचन जायसवाल, रविकरण सिंह, रामकुमार सिदार, बृजेश कुमार कुशवाहा,सतीष श्रीवास्तव, सुरेश कुमार वर्मा,काजल गुप्ता,डॉ.कुलदीप दुबे,डॉ.रूपनारायण, श्रीमति रश्मि मिश्रा,सुभाष यादव,अफसर अली,रूचि शर्मा,श्रीमति रेणुका सिंह, कुलदीप पैकरा,कल्पना सिंह, अंजना पांडे,अमित वर्मा,समय लाल साहू,ज्ञानेन्द्र पांडेय, शुभम अग्रवाल, डॉ.साजिद खान, नंदकिशोर वर्मा,सरोज साहू,कुंवर प्रताप राजवाडे,लीलावती राजवाडे,मनीषा सुमन,ज्योति ,प्रतिमा राजवाडे,उर्मिला खांडे,संगीता साहू एवं समस्त एनएचएम कर्मचारी उपस्थित रहे. चेतावनी- स्वास्थ्य सेवाएं होंगी प्रभावित, अब कर्मचारी आंदोलन के लिए बाध्य हैं। सरकार से आग्रह है कि वह तत्काल संवाद स्थापित करे, जायज़ मांगों पर निर्णय ले, अन्यथा छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह बेपटरी हो सकती हैं, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी शासन की होगी।

संक्षिप्त समाचार

एएनएम भर्ती अभ्यर्थियों के दस्तावेज़ सत्यापन हेतु आमंत्रण

क्यूँ न लिखूँ सच / शिवपुरी। वर्ष 2023 में आयोजित समूह-5 अंतर्गत एएनएम (सीधी भर्ती) की संयुक्त परीक्षा में उत्तीर्ण एवं प्रतीक्षा सूची में शामिल अभ्यर्थियों के लिए अहम सूचना जारी हुई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, शिवपुरी डॉ. संजय ऋषीश्वर ने बताया कि उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा पारित आदेश (याचिका क्रमांक 5747/2023 - तबस्सुम कुरैशी एवं अन्य विरुद्ध म.प्र. शासन एवं अन्य) दिनांक 5 नवम्बर 2024 तथा संबंधित याचिकाओं के परिपालन में प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों को दस्तावेज़ सत्यापन हेतु आमंत्रित किया गया है। दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया 4 सितम्बर 2025 तक कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, फतेहपुर रोड, शिवपुरी में आयोजित की जाएगी। संदर्भित पत्र क्रमांक 425 दिनांक 11 जून 2025 की कंडिका (अ, ब, स) के अनुसार सत्यापन उपरांत नियुक्ति की कार्यवाही आगे बढ़ाई जाएगी। अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक दस्तावेज़ों सहित कार्यालय में उपस्थित होकर सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण करें।

सहकारी बैंक द्वारा कृषकों को निरंतर किया जा रहा है खाद एवं ऋण वितरण

क्यूँ न लिखूँ सच / शिवपुरी। कलेक?टर रवीन?द्र कुमार चौधरी के निर्देशन में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शिवपुरी द्वारा संस्थाओं के कृषक सदस्यों को ऋण वितरण एवं खाद उपलब्ध कराने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। नियमित कृषक सदस्य जिन्होंने पूर्व में बकाया ऋण जमा कर दिया है, उन्हें प्राथमिकता से खाद एवं नगदी ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। जिला सहकारी केन?द्रीय बैंक मर्या.शिवपुरी के मुख?य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि जिन कृषक सदस्यों द्वारा अभी तक कालातीत ऋण जमा नहीं किया गया है, उनसे अपील की गई है कि वे शीघ्र ऋण जमा कराकर संस्था से रासायनिक खाद (यूरिया, डीएपी) एवं नगदी ऋण प्राप्त कर सकते है और शासन की शून्य प्रतिशत योजना का लाभ उठा सकते है।

अब तक खरीफ विपणन वर्ष 2025 में बैंक द्वारा 6130 किसानों को नगद रूप में 1930 लाख रुपये तथा 8481 किसानों को खाद (यूरिया, डीएपी एवं अन्य) के रूप में 1160 लाख रुपये का वस्तु ऋण वितरित किया जा चुका है। रबी सीजन वर्ष 2025-26 हेतु अग्रिम भण्डारण योजना के अंतर्गत संस्थाओं पर कृषकों को सुगमता से खाद उपलब्ध कराने के लिए अभी तक डीएपी 4775 मी.टन, यूरिया 3539 मी.टन, टीएसपी 624 मी.टन एवं एनपीके 400 मी.टन, कुल 9338 मी.टन खाद भण्डारित कराया गया है।

कृषक भाइयों से अनुरोध है कि वे कालातीत ऋण जमा कराकर संस्थाओं से सुगमता से खाद प्राप्त करें। साथ ही जो कृषक अभी तक संस्था के सदस्य नहीं हैं, वे सदस्यता शुल्क जमा कर सदस्य बनें ताकि आगामी रबी सीजन में साख सीमा स्वीकृत कर वस्तु ऋण का लाभ प्राप्त कर सकें।

जीजा के प्यार में साली ने की हद पार, बहन ने भी दिखाया बड़ा दिल; भर दी पत्नी बनाकर रखने की हामी

परिजन दोनों की मोहब्बत से अंजान थे। लिहाजा जीजा-साली ने हद पार करते हुए जीवन भर साथ रहने का फैसला कर लिया। करीब एक सप्ताह पहले साली अपने घर से निकल कर जीजा के घर पहुंच गई। यूपी के अमरोहा की रहने वाली युवती जीजा के प्यार में बागी हो गई। घर छोड़कर काशीपुर जीजा के पास पहुंच गई। परिजनों को इसकी जानकारी हुई तो उनके होश उड़ गए और उन्होंने काफी समझाने का प्रयास किया लेकिन जीजा साली नहीं माने। साली ने जहां बड़ी बहन के साथ रहने की रजामंदी दे दी तो वहीं जीजा ने भी दोनों को अपनी पत्नी बनाकर रखने की हामी भर दी। फिलहाल दोनों परिवार के लोग जीजा-साली को समझाने में जुटे हैं।यह मामला अमरोहा नगर कोतवाली क्षेत्र का है। यहां पर कारोबारी का परिवार रहता है।

उनकी बड़ी बेटी की शादी दो साल पहले काशीपुर के युवक के साथ हुई थी। फिलहाल दोनों पति-पत्नी काशीपुर में ही रहते हैं। शादी के एक साल बाद ही जीजा का अपनी साली से प्रेम प्रसंग शुरू हो गया। परिजन दोनों की मोहब्बत से अंजान थे। लिहाजा जीजा-साली ने हद पार करते हुए जीवन भर साथ रहने का फैसला कर लिया। करीब एक सप्ताह पहले साली अपने घर से निकल कर जीजा के घर पहुंच गई। वहां उसने जीजा के साथ रहने का फैसला कर लिया। जानकारी मिलते ही युवती के परिजन काशीपुर पहुंचे और उसे घर ले आए थे। परंतु युवती ने जीजा का साथ छोड़ने से साफ इनकार कर दिया। वह परिजनों को बिना बताए फिर से घर से जीजा के पास चली गई। यहां पहुंचने के बाद साली ने साफ कह दिया कि दोनों बहनें एक साथ रहेंगी। वह जीजा को नहीं छोड़ सकती इसलिए उसकी दूसरी पत्नी बनकर रहेगी। उधर जीजा ने भी पत्नी के साथ साली को भी साथ रखने के लिए हामी भर दी। मामला पारिवारिक होने के कारण परिजनों ने इसकी जानकारी पुलिस को सूचना नही दी है। जीजा-साली की यह प्रेम कहानी शहर में चर्चा का विषय बनी है।

आगामी त्योहार गणेश चतुर्थी उत्सव एवं प्रतिमा विसर्ज, बारावाफ़ात एवं जुलूस के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए

क्यूँ न लिखूँ सच /शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय / अपर पुलिस अधीक्षक श्री रामानन्द कुशवाहा द्वारा थाना कोतवाली नगर के विवेचकों का अर्दली रूम कर विवेचनाओं की स्थिति की समीक्षा की गई तथा लंबित विवेचनाओं के त्वरित/गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए तथा शेष अभियोगों का शीघ्र अनावरण करते हुए बरामदगी/गिरफ्तारी करने के साथ, चार पहिया/दो पहिया वाहन में बिना सीट बेल्ट/हेलमेट, तीन सवारी, बिना नंबर प्लेट, बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट, लाल नीली बत्ती व प्रेसर हॉर्न आदि चल रहे नियमविरुद्ध वाहनों का चालान करने हेतु निर्देशित किया गया। बैंको की नियमित रूप से चेकिंग करते हुए अपेक्षित कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। ढ्ढत्रक्रस् प्रार्थना पत्र को समययुक्त व गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया गया। महिला हेल्प डेस्क पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों का शीघ्र निस्तारण व मुकदमा पंजीकृत कराने हेतु निर्देशित किया गया ।

दशलक्षण महापर्व के छठे दिवस उत्तम संयम धर्म बडे ही श्रद्धा व उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ।

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ जलालाबाद शामली श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जलालाबाद जनपद शामली में जैन धर्म के चल रहे दशलक्षण महापर्व के छठे दिवस उत्तम संयम धर्म बडे ही श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया। प्रात: कालीन बेला में जैन श्रावको में अतिशय क्षेत्र जलालाबाद में एकत्रित होकर प्रभु पार्श्वनाथ भगवान का मंत्रो के साथ अभिषेक एवं शांतिधारा की ।शांतिधारा के पुण्यार्जक श्री ऋषभ जैन श्रीमति काजल जैन जलालाबाद रहे। पूजन के बाद पण्डित सनत जैन ने उत्तम संयम धर्म के बारे में बताया कि उत्तम संयम धर्म का अभिप्राय संयम ही जीवन की वास्तविक शोभा है। इन्द्रियो पर नियंत्रण एवं विषय-विकारो से दूर रहकर ही आत्मा की शुद्धि संभव है। संयम का पालन करने वाला साधक सदैव आनन्द और शांति का अनुभव करता है। दोपहर श्रीमति राज जैन ने धूप दशमी की कथा सुनाकर धूप दशमी के पर्व पर सभी श्रद्धालुओ मंदिर में एकत्रित होकर धूव खेयी। उसके बाद भगवान पार्श्वनाथ चालीसा पाठ चालीस बार पढा गया। आज सांय 48 काव्यो को पढकर 48 दीप जलाकर मानतुंग आचार्य जी द्वारा लिखित भक्तामर दीर्पाचन पाठ के पुण्यार्जक श्री जयन्ती प्रसाद जैन परिवार जलालाबाद के द्वारा किया गया। इसके बाद चौबीसो भगवान व पार्श्वनाथ भगवान की आरती व भजनो के द्वारा पांचवे दिवस उत्तम संयम धर्म का समापन किया गया। इस अवसर पर मंदिर कमेठी के मंत्री श्री सुशील कुमार जैन, प्रवीण जैन निसाड वाले, राजीव जैन दिल्ली, कुलदीप जैन, राकेश जैन, अतिशय जैन सहारनपुर, सतीस जैन, अर्पण जैन, विशाल जैन, अंकित जैन, राहुल जैन सचिन जैन आदि उपस्थित रहे।

विद्युत उपभोक्ताओं ने ठेकेदार पर अवैध वसूली व अभद्रता के लगाये आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती जनपद के जमुनहा बाजार में बिजली विभाग की लापरवाही और ठेकेदार की मनमानी उपभोक्ताओं के लिए दो दिनों तक सिरदर्द बनी रही। जर्जर केबिल बदलने का कार्य शुरू हुआ, लेकिन ठेकेदार काम अधूरा छोड़कर अपनी टीम के साथ लौट गया। नतीजतन पूरा बाजार और आस पास का इलाका रातभर अंधेरे में डूबा रहा। सुबह जब दोबारा कार्य शुरू हुआ तो ठेकेदार विकास सिंह पर उपभोक्ताओं ने गंभीर आरोप लगाए। स्थानीय लोगों का कहना था कि कनेक्शन जोड़ने के नाम पर उनसे 50 से 100 रुपये तक की वसूली की जा रही थी। इसके बावजूद कई दुकानों और घरों में कनेक्शन नहीं दिया गया। इससे नाराज उपभोक्ताओं और व्यापारियों ने हंगामा शुरू कर दिया। व्यापारियों का आरोप है कि ठेकेदार शराब के नशे में था और पैसे लेने के बाद भी कनेक्शन नहीं जोड़ रहा था। इतना ही नहीं, विरोध करने पर उनसे अभद्रता भी की गई। स्थिति बिगड़ने पर आक्रोशित उपभोक्ता जमुनहा पुलिस चौकी पहुंचे और पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई। सूचना पाकर चौकी प्रभारी योगेंद्र बाबू मौके पर पहुंचे और ठेकेदार को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने तत्काल लाइन बहाल करने का निर्देश दिया। आरोप है कि इस दौरान ठेकेदार ने नशे की हालत में चौकी प्रभारी से भी दुर्व्यवहार किया। हालांकि पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए सख्त चेतावनी दी और ठेकेदार से रात करीब 11 बजे सप्लाई बहाल कराई। बिजली सप्लाई बहाल होने के बाद उपभोक्ताओं ने राहत की सांस ली। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग से मांग की है कि लापरवाह ठेकेदार पर कार्रवाई करते हुए भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न पैदा हो।

प्राथमिक शाला जरगापारा चिकनी के प्रधानपाठक चंद्रिका सिंह को मिला छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच / मंगलवार दोपहर 1 बजे मिली जानकारी अनुसार सूरजपुर जिले के ओड़गी विकास खंड अन्तर्गत दूरस्थ स्कूल प्राथमिक शाला जरगापारा चिकनी के प्रधानपाठक चन्द्रिका सिंह को छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया है। चंद्रिका सिंह को छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति को संरक्षित संवर्धित करने में यह सम्मान प्रदान किया गया है। यह सम्मान समारोह वृंदावन सभाकक्ष सिविल लाईन रामपुर में आयोजित किया गया था। चंद्रिका सिंह को यह सम्मान मिलने से क्षेत्र समेत अपने जिला व राज्य को गौरवान्वित किया है तथा क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।इस मौके पर मुख्य अतिथि महाराजा कमल चंद्र भंजदेव, अध्यक्षता नवीन अग्रवाल अध्यक्ष जिला पंचायत रायपुर , अति विशिष्ट अतिथि अध्यक्ष जनपद पंचायत धरसीवा सकुंतला दिलेन्द्र सेन, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत धरसीवा दिनेश खुटे, सविता चंद्राकर सभापति उद्योग एवं सहकारिता समिति जिला पंचायत रायपुर, विशिष्ट अतिथि पद्मश्री अनूप रंजन पाण्डेय, डोमार सिंह कुंवर व निमंत्रक डाक्टर मन्नू लाल चेलक अध्यक्ष शिखर साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ समेत गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रामसेवक गौतम पुलिस अधीक्षक के शामली का स्थानांतरण जनपद मुरादाबाद हो जाने के उपलक्ष में विदाई समारोह का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शाली श्री राम सेवक गौतम पुलिस अधीक्षक शामली का स्थानान्तरण जनपद मुरादाबाद हो जाने के उपलक्ष्य में आज कलेक्ट्रेट सभागार में उनका विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया।आयोजित विदाई समारोह के अवसर पर जिलाधिकारी शामली अरविन्द कुमार चौहान, मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी, श्री सत्येन्द्र सिंह,अपर? जिलाधिकारी (वि0/रा0), शामली, अपर जिलाधिकारी न्यायिक परमानन्द झा,एसडीएम शामली अर्चना शर्मा, एसडीएम कैराना निधि भारद्वाज,एसडीएम न्यायिक हामिद हुसैन,डिप्टी कलेक्टर शिवाजी यादव के अलावा कलेक्ट्रेट/तहसील के अन्य अधिकारीयों/कर्मचारियों सहित अधिवक्तागण एवं अन्य गणमान्यों द्वारा पुलिस अधीक्षक के जनपद में 13 माह 16दिन के कार्यकाल को लेकर उनको बधाई दी गई। आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर जिलाधिकारी ने अरविन्द कुमार चौहान ने जनपद में पुलिस अधीक्षक राम सेवक गौतम के कार्यकाल को लेकर अपने विचार व्यक्त करते हुए उनके कार्यकाल में सकुशल कावड़ यात्रा, बैंक की घटना, फर्जी आयुष्मान कार्ड पर कार्रवाई, थानों में ओपन जिम की व्यवस्था,आदि कई उपलब्धियां को बताया और कहां की यह सब दिखाता है व्यक्ति अपने कार्य के प्रति कितना सजग है। डीएम ने एसपी को नये जनपद में स्थानांतरण होने को लेकर शुभकामनाएं और बधाई दी गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक गौतम ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जनपद में जब उन्होंने ज्वाइन किया उसके बाद जो भी चैलेंज आये जिसको जिला प्रशासन के साथ टीम वर्क के रूप में कार्य करते हुए उनसे निपटा गया और इस दौरान जनपद वासियों का भी बहुत प्यार मिला जिसको वे हमेशा याद रखेंगे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने अपने कार्यकाल के दौरान कानून व्यवस्था दृष्टिगत सभी त्योहारों,कावड़ यात्रा, ओर बहुत सी अपराधिक घटनाओं में की गई प्रभावी कार्यवाही को भी बताया। आयोजित विदाई समारोह के अवसर पर जिला स्तरीय अधिकारियों, विभिन्न संगठनों एवं गणमान्यों, मीडिया बन्धुओं द्वारा एसपी महोदय को बधाई दी गई। कार्यक्रम के उपरांत जिलाधिकारी द्वारा पुलिस अधीक्षक राम सेवक गौतम को अंग वस्त्र? ओर मां दुर्गा की प्रतिमा देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन अनुराग शर्मा ने किया।

पंद्रह हजार वर्ग फुट उपयोगी जमीन ओमप्रकाश गुप्ता ने दान में समाज को दी

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / कोंच(जालौन) कोंच नगर के मोहल्ला पटेल नगर निवासी कपड़ा व्यवसाई ओम प्रकाश गुप्ता देवगांव वाले ने गहोई समाज को अपनी बेशकीमती उरई रोड पर स्थित पंद्रह हजार वर्ग फुट भूमि दान स्वरूप प्रदान की है इस पर गहोई समाज से जुड़े सभी लोग खुश नजर आये गहोई समाज के निर्माण कमेटी के अध्यक्ष इंजीनियर राजीव कुमार रेजा मंत्री मयंक मोहन गुप्ता ठेकेदार कमेटी के सदस्य रिटायर्ड शिक्षक श्याम बाबू पहाड़िया रिटायर्ड लेखपाल राम कुमार गुप्ता और जितेंद्र सेठ आदि दान वीर ओम प्रकाश गुप्ता देवगांव के आवास पर पहुंचे और उन्हें माला पहनाकर स्वागत किया और अंग वस्त्र उड़ाकर उन्हें सम्मानित किया साथ ही उनके पुत्र राजीव संजीव कृष्ण कुमार को भी सम्मानित किया इस अवसर पर ई राजीव रेजा ने कहा कि कितना खुशी का अवसर है कि समाज के लिये जो भूमि दान में मिली है निश्चित रूप से समाज के लिये गौरव की बात है आज समाज में दान दाताओं की कोई कमी नहीं है उन्होंने कहा कि आज समाज से बढ़कर कोई नहीं होता है समाज है तो सब कुछ है

ग्राम पुतकी में लगा BSNरुटावर तीन साल से शोपीस – नेटवर्क चालू न होने से ग्रामीणों में आक्रोश, छात्रों से लेकर किसानों तक प्रभावित

क्यूँ न लिखूँ सच / सरकार डिजिटल इंडिया और ग्रामीण इलाकों तक संचार सुविधा पहुँचाने के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन सूरजपुर जिले के ग्राम पुतकी की हकीकत इन दावों को खोखला साबित कर रही है। गांव में बीएसएनएल का विशाल टावर लगभग तीन वर्ष पूर्व खड़ा किया गया था। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि अब उन्हें बेहतर नेटवर्क और इंटरनेट सुविधा मिलेगी, लेकिन तीन साल गुजरने के बाद भी टावर चालू नहीं हुआ है। इससे ग्रामीण आज भी नेटवर्क की समस्या से जूझने को मजबूर हैं। छात्रों की पढ़ाई पर असर गांव के छात्र-छात्राओं का कहना है कि ऑनलाइन पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में नेटवर्क न होने से वे पिछड़ रहे हैं। आवेदन पत्र भरने और परिणाम देखने के लिए उन्हें कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। किसानों को भी दिक्कतें किसान भी परेशान हैं। उन्हें मौसम की जानकारी, फसल बीमा, सरकारी योजनाओं और खरीदी व्यवस्था से जुड़ी सूचनाएँ समय पर नहीं मिल पातीं। किसान रामलाल का कहना है- जब सरकार डिजिटल साधनों से किसानों तक योजनाएँ पहुँचाने की बात करती है, तो हमारे गांव को क्यों भुला दिया गया? आपातकाल में संकट गांव की महिलाएँ और बुजुर्ग बताते हैं कि आपात स्थिति में डॉक्टर या परिजनों से संपर्क करने तक में घंटों की मशक्कत करनी पड़ती है। कई बार मरीज को समय पर इलाज नहीं मिल पाता। ग्रामीणों का आक्रोश और आंदोलन की चेतावनी ग्रामवासियों ने बताया कि कई बार विभागीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। लाखों रुपये खर्च कर लगाया गया टावर अब ग्रामीणों की नाराजगी का कारण बन चुका है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही नेटवर्क सुविधा शुरू नहीं की गई तो वे सामूहिक आंदोलन करेंगे। प्रशासन और क्चस्हृरु से सवाल ग्रामीण पूछ रहे हैं कि जब टावर लगाया गया तो उसका संचालन क्यों नहीं किया गया? क्या यह केवल ठेकेदार और अधिकारियों की खानापूर्ति थी या फिर लापरवाही का नतीजा? लोगों की मांग है कि जिला प्रशासन और बीएसएनएल अधिकारी इस मामले में तुरंत संज्ञान लें और पुतकी गांव में नेटवर्क सुविधा चालू करवाएँ।

संक्षिप्त समाचार

खेत में जहरीले जंतु ने महिला को काटा अस्पताल में भर्ती

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। थाना क्षेत्र हरदत्त नगर गिरन्ट अंतर्गत ग्राम पंचायत महरू मूर्तिहा के मजरा बनकटी मे खेत में काम कर रही एक महिला को अचानक किसी जहरीले जंतु ने काट लिया। जानकारी के मुताबिक, मेहरुल (30) पत्नी जफर खेत की मेड बाँध रही थीं, तभी उन्हें किसी जहरीले जंतु ने काट लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर पहुँचाया। जहाँ पर डॉक्टरों द्वारा महिला का ईलाज किया जा रहा है।

छत से गिरकर बुजुर्ग की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत टिकुइया निवासी मुमताज (75) पुत्र अजीम बीते अपने घर की छत पर सो रहे थे। रात में किसी कार्य से उठकर नीचे उतरते समय वह छत से अचानक गिर पड़े, जिससे गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने तत्काल उन्हें मल्हीपुर सीएचसी पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया गया। भिनगा से बहराइच के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी सुबह मौत हो गई। परिजनों ने उनका अंतिम संस्कार कर दिया है।

नहीं रहे हाजी अब्दुल वशीर सैफी, शोक जताया

क्यूँ न लिखूँ सच / रिठौरा। थाना हाफिजगंज के गांव लभेड़ा उर्फ बुलंद नगर के रहने वाले हाजी अब्दुल वशीर सैफी 64 लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। मंगलवार दोपहर में उन्होंने अंतिम सांस ली, जैसे ही उनके इंतकाल (निधन)की खबर ग्रामीणों को लगी पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन पर प्रधान अनवर अली,शिक्षक प्रदीप कुमार गुप्ता, पूर्व प्रधान निजाकत अली खान,हाजी इदरीश सैफी, उस्मान उस्मानी ,राजीव सक्सेना सहित तमाम लोगों ने गहरा शोक जताया है। मरहूम हाजी जी अपने पीछे तीन बेटे,चार बेटियों पत्नी अनीसा बेगम का भरा-पुरा परिवार छोड़ गये हैं। बुधवार को उनको गांव के ही कब्रिस्तान में सुबह आठ बजे सुपुर्देखाक किया जाएगा।

अनिल कुदारी क्षेत्र में घूमे लिया लोगो का हाल चाल

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन) दिरावटी जिला पंचायत क्षेत्र से अपना दल के एस के जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी प्रमुख दावेदार है और वह काफी समय से क्षेत्र में लोगो से संपर्क बनाए है और क्षेत्र के लोगों का हर सुख दुख में हाल चाल लेने आते रहते है आज भी उन्होंने जिला पंचायत दिरावटी के ग्राम दाढ़ी बरोदा कलां चमेंड़ और घमूरी आदि गांवों में जाकर क्षेत्र वासियों से उनका हाल चाल जाना और उनकी समस्याओं को भी सुना इस पर क्षेत्रवासियों ने उन्हें खूब सम्मान दिया

दोहर स्थित हनुमान मंदिर भारी भीड़ देखी गई

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन) कोंच नगर के समीप ग्राम दोहर में स्थित अति प्राचीन प्रसिद्ध हनुमान मंदिर में भी मंदिर कमेटी के द्वारा मंदिर को बढ़िया सजाया संवारा गया और पूरे परिसर और मुख्य गेट पर बहतरीन सुंदर सजावट की गई साथ अच्छी दूधिया रंग बिरंगी झालरों से रोशनी की व्यवस्था की गई मंदिर में आने जाने वाले भक्तों को दर्शन और पूजा पाठ में कोई परेशानी नहीं हुई कोंच नगर सहित तमाम आस पास के गांवों के लोगों का देर रात तक जमावड़ा रहा मंदिर पर पुजारी कमलेश दुबे द्वारा भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया मंदिर परिसर में भक्तों द्वारा पूजा पाठ किये जाते रहे भक्तों की भारी भीड़ से पुरे मंदिर में काफी चहल पहल देखी गई इस अवसर पर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी धर्मेंद्र बबेले आदि लोग मौजूद रहे मंदिर परिसर में भी भंडारे की व्यवस्था की गई थी और तमाम आये हुये भक्तों द्वारा अलग अलग तरह के प्रसाद वितरित किये जाते रहे खास बात यह रही कि नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता और ई ओ मोनिका उमराव आदि के निर्देश पर पूरे इलाके की बढ़िया साफ सफाई करवाई गई और रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था की गई खुद सफाई इंस्पेक्टर सुनील कुमार यादव और उनकी टीम सुबह से ही मंदिर पर पहुंच गई और कलई चूना डलवाया गया वही मंदिर पर बड़े वाहन न जावे इसलिए रोड पर ही बेरिकेटिंग की गई यहां पर भारी पुलिस बल सुरक्षा व्यवस्था हेतु लगा रहा खुद कोतवाल अजीत सिंह सुरई चौकी के प्रभारी सत्यपाल सिंह सिपाही अजय कुमार धीरज कुमार आदि मौजूद रहे

Do you take medicines for minor diseases on your own? This warning from doctors will open your eyes

Do you also take medicines from the shop on your own when you have cold, cough, fever or stomach ache? If yes, then be careful, you are giving birth to a big problem. It is being seen a lot these days to start taking medicines for the treatment of minor diseases by getting information available on the internet. According to experts, this habit sometimes gives rise to serious health problems. In many situations, it increases the risk of such diseases which can prove fatal. This method of taking medicines over the counter i.e. without prescription, by yourself or by looking on the internet seems easy and cheap, but its long-term consequences can be very serious and worrying. The World Health Organization (WHO) has warned many times that serious problems like antibiotic resistance are increasing due to taking medicines without doctor's advice. Due to this, even a simple infection can become fatal in the future because the medicines stop working. Not only this, taking medicines on your own can also increase kidney-liver diseases. What do experts say? In a conversation, many such people are coming to the OPD of the Department of Medicine at the JIMS Hospital in Greater Noida every day, who keep taking steroids for a long time without consulting a doctor for joint pain, allergy, skin disease or respiratory problems. Professor and Head of the Department of Medicine, Dr. Payal Jain says that in a busy life, people are not able to take proper care of their health. The result is that many diseases are taking birth in their body at a young age. Medicines are easily available at medical stores or information is available immediately on the Internet. Many patients often come to the OPD, in whom liver problems are suddenly seen. When his history is taken, it is found that the patient was taking painkillers for months without any medical supervision. Risk of developing serious diseases Vikramjit Singh, a doctor of internal medicine at a Delhi-based hospital, says, when we take

medicines without medical advice, it suppresses the symptoms but hides the real disease. For example, if you have a stomachache and take a painkiller, the pain may subside for some time but the reason behind it may be appendicitis, gastric ulcer or liver problem. In such cases, the patient feels that the medicine has helped, but in reality the disease keeps getting serious inside. Many times people reach the doctor late and by then the disease has increased. Concern about antibiotic-resistance Apart from this, there is also a risk of antibiotic-resistance by taking antibiotics without doctor's advice, about which global health organizations have been constantly expressing concern. Self-medication without the correct dosage or course of antibiotic treatment does not completely eliminate the bacteria present in the body, but gradually strengthens them and becomes antibiotic-resistant bacteria. If the bacteria become resistant to medicines, then the same simple infection can become life-threatening in the future because then no normal medicine will work. What should be done then? Health experts say, taking medicines on your own may seem easy and cheap in the beginning, but its disadvantages can be very big. So the next time you go to the medical store to get medicines yourself, remember that taking medicines without the advice of a doctor is putting yourself and the society at risk. The best way to stay safe and healthy is to consult a doctor for any disease. A medicine that has benefited someone in your family may not necessarily work on you too, so always take medicines based on the condition of the body and on the advice of an expert. This method of taking medicines over the counter, that is, without a prescription, by yourself or by looking on the internet, seems easy and cheap, but its long-term consequences can be quite serious and worrying.

Are you also always troubled by pain and fatigue? It can be a sign of these diseases

If a person is adopting a healthy lifestyle and is getting enough sleep, despite this, pain persists in the body for a long time without any reason, then it can be a symptom of some disease. Let us know about this in this article. In today's hectic and busy lifestyle, pain and fatigue in the body is a common complaint. We often ignore it as a result of work pressure, lack of sleep or just increasing age. However, it is very important to know that persistent pain and fatigue can also be an early sign of a serious disease in the body. Long-term pain in the body is not just a temporary problem, but it also reflects the internal condition of your body. If you often feel tired without any reason, or there is constant pain in the muscles and joints, then you need to pay attention to it. It is very important to understand these symptoms and consult a doctor at the right time. In this article, let us know about some such diseases, whose initial symptoms can be pain and fatigue in the body. Vitamin and mineral deficiency Lack of important nutrients like vitamin D, vitamin B12 and iron in our body can cause muscle pain and excessive fatigue. Vitamin D keeps bones and muscles strong, while vitamin B12 and iron are essential for energy production. Lack of these nutrients weakens the body and pain is felt. Anemia (lack of blood) Anemia, that is, lack of blood in the body, is another major cause. When the level of hemoglobin in the body decreases, enough oxygen does not reach the cells, causing fatigue and weakness. Its other symptoms include dizziness, shortness of breath and yellowing of the skin. Chronic fatigue syndrome This is a complex disease in which a person constantly feels very tired and pain. Surprisingly, this fatigue does not go away even after resting. This disease can

also cause sleep problems, headaches and inability to concentrate on any work. This problem often begins after a major infection or illness. Fibromyalgia Fibromyalgia is a disease in which there is long-term pain in the whole body, fatigue and sleep problems. It causes pain in the muscles and joints, and the body may feel stiff when you wake up in the morning. This disease affects our nervous system.

Why are cervical cancer cases increasing in women? Know what are the main reasons behind it

According to the World Health Organization, cervical cancer is the fourth most common cancer in women globally. The good thing is that if this cancer is detected in the early stages, it can be completely prevented. Let us know in this article why cervical cancer occurs in women? Cervical cancer is one of the most common cancers in women worldwide. In recent years, a rapid increase in its cases has been seen in India as well, which is a matter of serious concern. The most prominent cause of this disease is a virus called Human Papillomavirus, which is normally transmitted through sexual intercourse. However, HPV is not the only reason. Our lifestyle, social and economic reasons also increase the risk of this disease. It is very important to pay attention to this because if this disease is detected in the early stages, it can be completely treated. Unfortunately due to lack of awareness and limited access to health services, many cases are detected too late. Let us know about some of the major reasons in this article, due to which cases of cervical cancer are increasing in women. Human papillomavirus (HPV) infection The biggest cause of cervical cancer is HPV. It is a very common sexually transmitted infection. There are many types of HPV, out of which some special types (such as HPV 16 and 18) can cause cancer. To protect against these viruses, girls are advised to get the HPV vaccine at an early age. This vaccine is considered to be the most effective way to prevent this cancer. Poor hygiene and early marriage Lack of personal hygiene can increase the risk of cervical cancer. Apart from this, early marriage and early sexual relations also increase the risk of human papillomavirus (HPV) infection, which also increases the risk of cervical cancer. Relationships with multiple sexual partners Having multiple sexual partners or having a

relationship with a partner who has multiple sexual partners greatly increases the risk of HPV infection and cervical cancer. Safe sex and monogamous relationships can help reduce this risk. Lack of awareness and screening Cervical cancer is completely treatable in the early stages. But in many rural and urban areas in India, women lack awareness about the symptoms and prevention methods of this disease. Apart from this, lack of regular screening like Pap test is also a major reason due to which the disease is detected very late.

'Bigg Boss 14' fame actress Nikki Tamboli got dengue, she herself gave information on social media

Actress and 'Bigg Boss 14' fame star Nikki Tamboli revealed that she has got dengue. This information has surprised her fans. Actress and reality show star Nikki Tamboli, who got a lot of recognition from Bigg Boss 14. The actress has revealed that she has got dengue. The actress shared the health update with her fans on Sunday. The actress herself shared the information Nikki Tamboli wrote a message on her Instagram story, in which she said that she has tested positive for dengue. Posted on poor health Recently, Nikki Tamboli had informed that she has a fever of 103.6 degrees. Along with this, she also expressed grief over not being able to attend the Ganesh Chaturthi celebrations. She wrote, "Ganpati Bappa cure me soon. I have to come to take your darshan." A look at Nikki Tamboli's career Nikki Tamboli is an actress and model who participated in the reality show Bigg Boss 14. She was the second runner-up in this show. Apart from this, the actress has also acted in South films like 'Kanchana 3' and has also appeared in many music videos. At the same time, Nikki Tamboli has also appeared in stunt-based reality shows like 'Khatron Ke Khiladi 11', 'The Khatron Ke Khiladi Show', 'Bigg Boss Marathi Season 5' and 'Celebrity MasterChef India'.

'Raanjhan' song makers called the allegations baseless, Sachet-Parampara took legal action

Sachet-Parampara said 'The person who is alleging that they have composed the music of 'Raanjhan' is making completely baseless allegations. Their motive is to create controversy and become famous.' The film 'Do Patti' was released in 2024. Kriti Sanon and Kajol played important roles in it. The song 'Raanjhan' from the film was well liked. However, there was a lot of controversy over this song. Recently, news came that international music producer KMKZ accused T-Series and the song's composer Sachet-Parampara of stealing music. Now Sachet Parampara has taken legal action on this. Sachet-Parampara have officially denied all the allegations leveled against their song 'Raanjhan'. Sachet-Parampara issued a statement In a statement, Sachet-Parampara said, "The person who is alleging that they have composed the music for 'Raanjhan' is making completely baseless allegations. Their motive is to create controversy and become famous." They informed that they have issued a defamation notice under which strict legal action will be taken against this malicious attempt to defame their work."

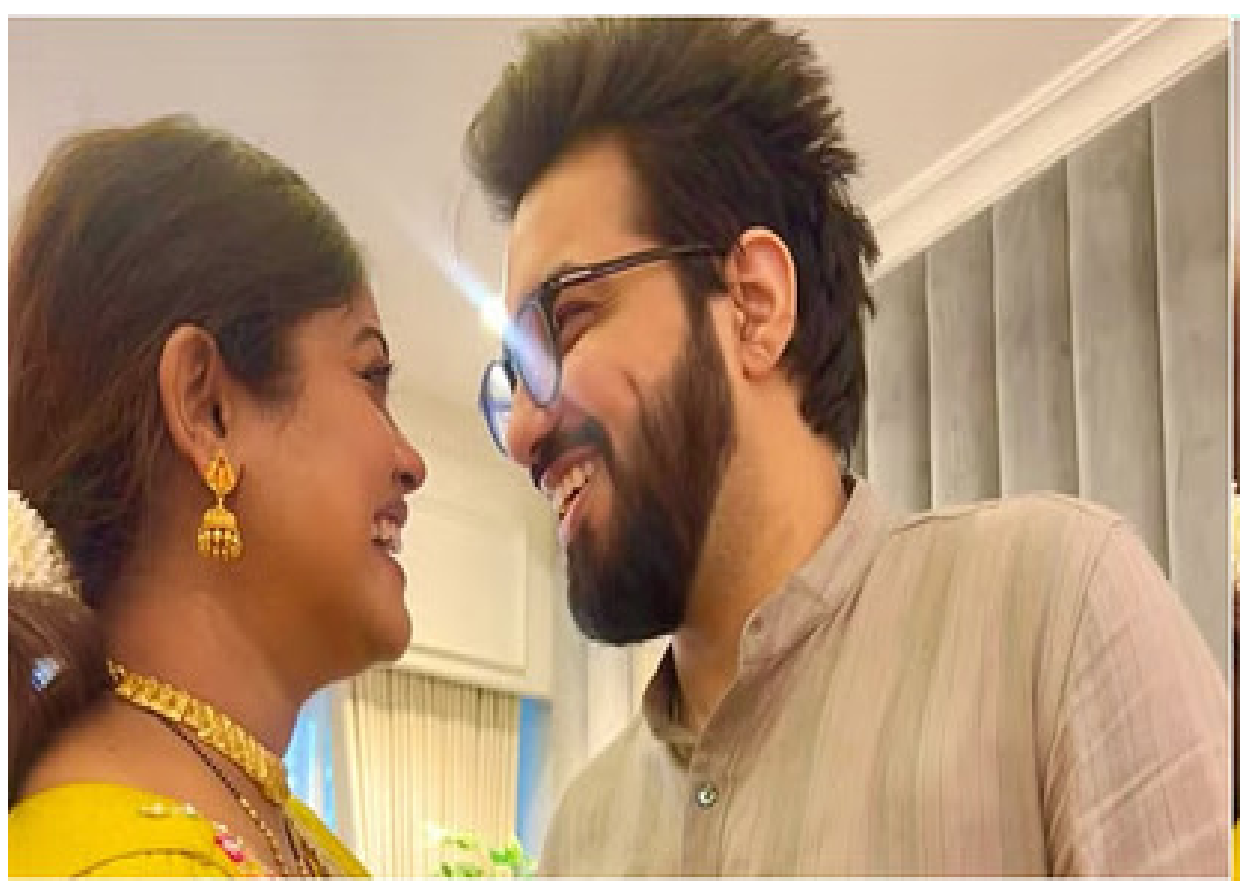

Contestants target Tanya Mittal in Bigg Boss, make allegations; get emotional

Bigg Boss 19 has become a topic of discussion in its first week itself and the clashes between the contestants are attracting people's attention. Now a video has surfaced, in which contestants are seen making allegations on Tanya Mittal. Popular reality show 'Bigg Boss 19' has become very exciting in its first week itself. The commotion between the contestants is increasing day by day. Now the show has launched a promo, in which the contestants are seen getting angry at Tanya Mittal and making allegations and counter-allegations on her. Let's see what the contestants said. Allegations on Tanya Mittal In the new promo released on Jio Hotstar, Bigg Boss 19 host Salman Khan questioned the contestants. He asked who considers herself the most superior among Ashnoor Kaur and Tanya Mittal. In response to this, the contestants said that they feel that Tanya Mittal understands herself better. At the same time, YouTuber Kunika Sadanand said that Tanya Mittal feels that she has reached here after a lot of struggle. Most of the contestants are seen targeting Tanya Mittal. Weekend Ka Vaar is going on Weekend Ka Vaar was seen on Saturday, in which no one was eliminated, but Gaurav Khanna's relationship with Ashnoor and Kunika was seen deteriorating. After Salman Khan's departure, an argument was seen between Ashnoor and Gaurav. Now today's Sunday can be very exciting. About Bigg Boss 19 Salman Khan is hosting the 19th season of the reality show Bigg Boss. Talking about the contestants, they include names like Ashnoor Kaur, Zeeshan Qadri, Tanya Mittal, Nagma Mirajkar, Awez Darbar, Nehal Chudasama, Abhishek Bajaj, Baseer Ali, Gaurav Khanna, Natalia Janoszek, Pranit More, Farhana Bhatt, Neelam Giri, Kunika Sudanand, Amal Malik and Mridul Tiwari. The Bigg Boss show is streaming on JioHotstar at 9 pm and airs on Colors TV at 10.30 pm.

Nargis Fakhri appeared with husband Tony for the first time after marriage, video goes viral

Nargis, originally from the United States, made her Bollywood debut in 2011 with the superhit film 'Rockstar' opposite Ranbir Kapoor. Bollywood actress Nargis Fakhri reportedly married her long-time boyfriend Tony Beg in secret in California. Recently she was seen at an event in Mumbai. Her presence with her husband Tony at the event caught everyone's attention. Nargis and Tony appeared together In a video going viral on social media, Nargis and Tony can be seen posing with Farah Khan. Nargis wore a wine-colored lehenga-choli. With this, she wore gold bangles and matching necklace. At the same time, Tony looked very beautiful in completely black clothes. Farah also wore a completely black outfit. She wore a blazer embroidered with colorful flowers on it. Farah said go with your wife In the video, it can be seen that as Tony stepped forward to pose with Farah and Nargis, Farah was heard saying to him 'come with your wife'. Here many fans were surprised to know that Nargis is married, while some called them a 'cute couple'. Anil Kapoor, Chunky Pandey, Dhvani Bhanushali and others also attended the event. Married in February this year Nargis reportedly married her long-time boyfriend and US-based businessman Tony in February this year. Before marriage, the two dated each other for about three years. They also celebrated New Year 2024 together in Dubai. Nargis' ex-boyfriend Uday Chopra was also present here. Nargis Fakhri's work Originally from the United States, Nargis made her Bollywood debut in 2011 with the superhit film 'Rockstar' opposite Ranbir Kapoor. Since then she has appeared in many films. These include films like 'Madras Cafe', 'Fata Poster Nikla Hero', 'Main Tera Hero' and 'Dhishoom'. Recently she was seen in 'Housefull 5'.